collegebatch.com

click to campus

CUET UG 2024 Hindi Question Paper

COMMON UNIVERSITY ENTRANCE TEST

Download more CUET UG Previous Year Question Papers: Click Here

CUET UG (Hindi)

16 May 2024 Shift 2

Question 1

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

यह पद्यांश किसे संबोधित है ?

Options:

A. लक्ष्मण को

B. राम को

C. हनुमान को

D. सुग्रीव को

Answer: B

Solution:

यह पद्यांश**राम को** संबोधित है।

Key Points

- **"सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"** की कविता **"राम की शक्ति पूजा"** से ली गई।
- यह पद्यांश भगवान **राम को** संबोधित है।
- उनके बंधु, अनुयायी और योद्धा उन्हें विजय प्राप्ति के लिए शक्ति और साधना की तरफ प्रोत्साहित कर रहे हैं,
- साथ ही एक संगठित योजना के तहत युद्ध की रणनीति भी बता रहे हैं।

Additional Information

अन्य विकल्प -

- **लक्ष्मण को -**(इस संदर्भ में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी गई।)
- **हनुमान को -** (इस संदर्भ में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी गई।)
- **सुग्रीव को -** (इस संदर्भ में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी गई।)

Question 2

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : पद्यांश के अनुसार, रघुनंदन का आशय राम से है।

कथन II : महावाहिनी के नायक सुग्रीव हैं।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. कथन I और II दोनों सही हैं

B. कथन I और II दोनों ग़लत हैं

C. कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है

D. कथन I ग़लत है, लेकिन कथन II सही है

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है**

Key Points

- **पद्यांश के अनुसार-**रघुनंदन का आशय राम से है।
  - यह कथन सही है क्योंकि "रघुनंदन" का अर्थ **"रघुकुल का नंदन"** या **"रघुकुल का पुत्र"** होता है।
  - यह नाम भगवान श्रीराम के लिए प्रयोग किया जाता है। रघुकुल के प्रमुख राम थे, और इसलिए **रघुनंदन** का आशय **राम** से ही है।

Additional Information

- **कथन II:** महावाहिनी के नायक सुग्रीव हैं। यह कथन गलत है।
  - पद्यांश में **महावाहिनी**, अर्थात् मुख्य सेना का नायक **लक्ष्मण** को बताया गया है।
  - सुग्रीव इस सेना का प्रमुख **योद्धा** हैं और साथ में विभीषण और अन्य सहयोगी भी हैं, लेकिन **महावाहिनी के नायक लक्ष्मण** ही हैं।

Question 3

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

'दृढ़ आराधन' से क्या तात्पर्य है ?

Options:

A. हठयोग

B. कठिन साधना

C. सगुण भक्ति

D. वज्रयान

Answer: B

Solution:

'दृढ़ आराधन' से तात्पर्य है -**कठिन साधना**

Key Points

- पद्यांश में **दृढ़ आराधन** का अर्थ है संपूर्ण निष्ठा, अनुशासन, तथा समर्पण के साथ किए गए
  - पूजा या साधना जिनमें कठिन परिश्रम और संकल्प की आवश्यकता होती है।

Additional Information

अन्य विकल्प -

- **हठयोग** का अर्थ -पाँच इंद्रियों और मन के हस्तक्षेप के बिना योग का जिद्दी अभ्यास।
- **सगुण भक्ति**का अर्थ -ईश्वर को रूप, रंग, गुण, लीलाओं, शक्ति, और भावनाओं से युक्त मानकर उनकी पूजा करने को सगुण भक्ति कहते हैं।
- **वज्रयान**का अर्थ -बौद्ध धर्म का एक रूप है जो आत्मज्ञान प्राप्त करने का एक त्वरित तरीका प्रदान करने का दावा करता है।

Question 4

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

'भय' शब्द का विलोम है :

Options:

A. अजेय

B. निर्भय

C. डर

D. पराजय

Answer: B

Solution:

'भय' शब्द का विलोम है :**निर्भय**

Key Points

- **'भय'**शब्दका**विलोम**शब्द**'निर्भय'**होगा।
- **'भय'**शब्द का अर्थ है -डर, ख़ौफ़।
- **'निर्भय'**शब्दकाअर्थ -डर रहित, निडर, बेखौफ।
- **विलोम**-जो शब्द किसी एक शब्द के**विपरीत अर्थ**को व्यक्त करतेहैं,वे**विलोम**शब्द कहलातेहैं।

अन्य विकल्प-

शब्द	विलोम
अजेय	जेय
पराजय	विजय

Additional Information

कुछ अन्य विलोम शब्द-

शब्द	विलोम
ध्वस्त	निर्मित
निरक्षर	साक्षर
ऋजुता	वक्रता
ऐच्छिक	अनैच्छिक
कठोर	कोमल
विस्मरण	कंठस्थ
गतिरोध	निर्विरोध
गृहीत	प्रदत्त
निर्दयी	दयालु

Question 5

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

निम्नलिखित में से 'शक्ति' शब्द के पर्यायवाचीनहींहैं :

(A) बल

(B) उग्र

(C) सामर्थ्य

(D) अक्षय

(E) ताकत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. केवल (B) और (D)

B. केवल (A) और (C)

C. केवल (C) और (E)

D. केवल (D) और (E)

Answer: A

Solution:

सही उत्तर है -**केवल (B) और (D)**

Key Points

- **'शक्ति'** शब्द के पर्यायवाची - **सामर्थ्य,बल, ताकत**होगा।
- **'शक्ति'**के अन्यपर्यायवाची शब्द -ऊर्जा, क्षमता,पराक्रम।
- **पर्यायवाची -**ऐसे शब्द जिनके**अर्थ समान**हों,**पर्यायवाचीशब्द**कहलाते हैं।

अन्य विकल्प -

शब्द	पर्यायवाची शब्द
उग्र	तीव्र, विकट, उत्कट, प्रचंड, तेज, कड़ा, प्रबल, रौद्र।
अक्षय	अमर, अविनाशी, चिरंजीवी, अकल्पित, अनंत, अनादि, अविनाश।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णपर्यायवाची शब्द-

शब्द	पर्यायवाची शब्द
अनुपम	अनोखा, अनूठा, अपूर्व, अद्भुत, अद्वितीय, अतुल।
इच्छुक	अभिलाषी, आतुर, चाहने वाला, आकांक्षी।
उत्कृष्ट	उत्तम, उन्नत, श्रेष्ठ, अच्छा, बढ़िया, उम्दा।
ऐश्वर्य	वैभव, संपन्नता, धन-संपत्ति, समृद्धि, दौलत।
कान्ति	प्रकाश, आलोक, उजाला, दीप्ति, छव, प्रभा, छटा।
खसीस	बख़ील, कंजूस, मक्खीचूस, कृपण, सूम, मत्सर।
चतुर	विज्ञ, निपुण, नागर, पटु, कुशल, दक्ष, प्रवीण, योग्य।

जगत	विश्व, दुनिया, जगती, संसार, भव, जग, जहान्, लोक।

Question 6

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,

तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त

तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त;

शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करोपूजन,

छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन !

तब तक लक्ष्मण हैं महावाहिनी के नायक

मध्य भाग में, अंगद दक्षिण-श्वेत सहायक,

मैं भल्ल-सैन्य; हैं वाम पार्श्व में हनूमान,

नल, नील, और छोटे कपिगण - उनके प्रधान;

सुग्रीव, विभीषण, अन्य यूथपति यथासमय

आयेंगे रक्षा हेतु जहाँ भी होगा भय।"

प्रस्तुत पद्यांश में 'भल्ल-सैन्य' का संबंध है :

Options:

A. कपिगण से

B. सुग्रीव से

C. भालुओं के सेना नायक जाम्बवंत से

D. रघुनंदन से

Answer: C

Solution:

प्रस्तुत पद्यांश में 'भल्ल-सैन्य' का संबंध है :**भालुओं के सेना नायक जाम्बवंत से**

Key Points

- प्रस्तुत पद्यांश में **'भल्ल-सैन्य'** का संबंध **'भालुओं की सेना'** से होता है।
- **'भल्ल'** का अर्थ **'भालू'** होता है, और **'सैन्य'** का अर्थ **'सेना'**।
- रामायण में **भालुओं की सेना के नायक जाम्बवंत** थे।

Additional Information

अन्य विकल्प -

- **कपिगण से** -'कपिगण' का मतलब 'वानरों का समूह' होता है। 'कपि' शब्द संस्कृत में वानर (बंदर) के लिए उपयोग किया जाता है, और 'गण' का अर्थ समूह होता है।
- **सुग्रीव से** -'सुग्रीव' का मतलब वानरों के राजा से है। रामायण की कथा के अनुसार, सुग्रीव वानरों के राजा थे और भगवान राम के मित्र एवं सहयोगी।
- **रघुनंदन से** -'रघुनंदन' का मतलब भगवान श्रीराम से है। भगवान श्रीराम राजा दशरथ के पुत्र थे, जो स्वयं रघु वंश के थे। इसलिए, श्रीराम को **'रघुनंदन'** कहा जाता है।

Question 7

जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे '_____' कहते हैं।

Options:

A. क्रिया

B. काल

C. विशेषण

D. वाच्य

Answer: C

Solution:

जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे **विशेषण**कहते हैं।

Key Points

- जिस शब्द से **संज्ञा** या **सर्वनाम** की विशेषता का बोध हो, उसे **विशेषण** कहते हैं।
- **जैसे -** कड़वा, मीठा, काला, सुन्दर आदि।
  - **"काला** घोड़ा" (काला - **विशेषण,** घोड़ा - संज्ञा)
  - **"यह** पुस्तक" (यह - **विशेषण,** पुस्तक - सर्वनाम)

Additional Information

क्रिया-

- जिस शब्द से **किसी काम के होने** या **करने का पता** चले, उसे **क्रिया** कहते हैं।
- **जैसे -**खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, दौड़नाआदि।
  - सुमित पत्र **लिखता** है।

काल-

- क्रिया के जिस रूप से **किसी काम के होने के समय** का पता चले, उसे **काल** कहते हैं।
- **काल के प्रमुख भेद:** भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्य काल।
  - **उदाहरण:**'रवि ने खाया' यह **भूतकाल** का उदाहरण है।

वाच्य-

- क्रिया के जिस रूपांतर से यह जाना जाए कि **क्रिया द्वारा किए गए** विधान (कही गई बात) का विषय **कर्ता** है, **कर्म** है या **भाव** है, उसे **'वाच्य'** कहते हैं।
- वाच्य के **तीन** भेद होते हैं: कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।
- **जैसे -**
  - राधा पत्र लिखती है।(क्रिया कर्ता के अनुसार)
  - पत्र राधा द्वारा लिखा जाता है।(क्रिया कर्म के अनुसार)
  - तुमसे लिखा नहीं जाता।(क्रिया भाव के अनुसार)

Question 8

जिस शब्द में किसी काम का करना अथवा होना पाया जाता है, उसे_____कहते हैं।

Options:

A. विशेषण

B. कर्ता

C. कर्म

D. क्रिया

Answer: D

Solution:

जिस शब्द में किसी काम का करना अथवा होना पाया जाता है, उसे**क्रिया**कहते हैं।

Key Points

- जिस शब्द में **किसी काम का करना** अथवा **होना** पाया जाता है, उसे**क्रिया**कहते हैं।
- **जैसे** -खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, दौड़नाआदि।
  - हरीश गाना **गा रहा है।**

Additional Information

विशेषण-

- **संज्ञा** अथवा **सर्वनाम** शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।
- **जैसे** -बड़ा, काला, लंबा, दयालु, भारी, सुन्दर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो आदि।
  - विकास एक **बलवान** व्यक्ति है।

कर्ता-

- वाक्य के उस भाग को **कर्ता** कहते हैं जिससे **क्रिया करने वाले** का पता चले।
- कर्ता, वाक्य के दो मुख्य भागों में से एक है। दूसरा भाग 'विधेय' (प्रेडिकेट) कहलाता है।
  - **जैसे** -राम पुस्तक पढ़ता है, इस वाक्य में **'राम'** कर्ता है।

कर्म-

- जब आप कोई **कार्य** अथवा **गति सकाम** भाव से यानि **कर्म फल की इच्छा**, से करते हैं, तो उसे **कर्म** कहते हैं।
  - **जैसे** -रमेश **केला** खाता है।, इस वाक्य में **'केला'** कर्महै।

Question 9

निम्नलिखित शब्दों में से 'आभ्यंतर' का विलोम बताइए :

Options:

A. अभिअंतर

B. आसक्त

C. बहिर्मुखी

D. बाह्य

Answer: D

Solution:

सही उत्तर है -**बाह्य**

Key Points

- **'आभ्यंतर'**शब्दका**विलोम**शब्द**'बाह्य'**होगा।
- **'आभ्यंतर'**काअर्थ -अंदर का, भीतरीया अंतर्निहित।
- **'बाह्य'**काअर्थ - बाहर का, अतिरिक्तया सतह का।
- **विलोम**-जो शब्द किसी एक शब्द के**विपरीत अर्थ**को व्यक्त करतेहैं,वे**विलोम**शब्द कहलातेहैं।

अन्य विकल्प-

शब्द	विलोम
आसक्त	अनासक्त
बहिर्मुखी	अंतर्मुखी

Additional Information

कुछ अन्यमहत्वपूर्ण विलोम शब्द -

शब्द	विलोम
अभ्यस्त	अनभ्यस्त
उल्लघंन	अनुल्लंघन
इकहरा	दुहरा
अनीप्सित	ईप्सित
उत्कृष्ट	निकृष्ट
ऋण	उऋण
एकत्व	अनेकत्व
कठोर	कोमल
खिन्नता	प्रसन्नता

Question 10

कार्यालयी पत्र-लेखन में अधोलेख के रूप में प्रयुक्त होने वाला शब्द है :

Options:

A. भवदीय

B. महोदय

C. महाशय

D. सम्माननीय

Answer: A

Solution:

कार्यालयी पत्र-लेखन में अधोलेख के रूप में प्रयुक्त होने वाला शब्द है :**भवदीय**

Key Points

- कार्यालयी पत्र-लेखन में, अधोलेख के रूप में **"भवदीय"** या **"भवदीया"** (लिंग के अनुसार) का प्रयोग किया जाता है।
  - **अधोलेख:** पत्र के अंत में, हस्ताक्षरकर्ता के नाम से पहले प्रयुक्त होने वाला शब्द या वाक्यांश।
  - **भवदीय/भवदीया:** कार्यालयी पत्रों में, पत्र के अंत में, हस्ताक्षरकर्ता के नाम से पहले प्रयुक्त होने वाला शब्द या वाक्यांश।
- **उदाहरण:**
  - "भवदीय" (यदि पत्र लिखने वाला **पुरुष** है)
  - "भवदीया" (यदि पत्र लिखने वाला **महिला** है)

Important Points

औपचारिक-पत्र की प्रशस्ति(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द),अभिवादन व समाप्ति-

प्रशस्ति	(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द) - श्रीमान, श्रीयुत, मान्यवर, महोदय आदि।
अभिवादन	औपचारिक-पत्रों में अभिवादन नहीं लिखा जाता।
समाप्ति	आपका आज्ञाकारी शिष्य/आज्ञाकारिणी शिष्या, भवदीय/भवदीया, निवेदक/ निवेदिका, शुभचिंतक, प्रार्थी आदि।

अनौपचारिक-पत्र की प्रशस्ति(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द),अभिवादन व समाप्ति-

- **अपने से बड़े आदरणीय संबंधियों के लिए-**

प्रशस्ति	आदरणीय, पूजनीय, पूज्य, श्रद्धेय आदि।
अभिवादन	सादर प्रणाम, सादर चरणस्पर्श, सादर नमस्कार आदि।

समाप्ति	आपका बेटा, पोता, नाती, बेटी, पोती, नातिन, भतीजा आदि।

- **अपने से छोटों या बराबर वालों के लिए-**

प्रशस्ति	प्रिय, चिरंजीव, प्यारे, प्रिय मित्र आदि।
अभिवादन	मधुर स्मृतियाँ, सदा खुश रहो, सुखी रहो, आशीर्वाद आदि।
समाप्ति	तुम्हारा, तुम्हारा मित्र, तुम्हारा हितैषी, तुम्हाराशुभचिंतकआदि।

Additional Information

पत्र	परिभाषा
कार्यालयी-पत्र	जो पत्र कार्यालयी**काम-काज**के लिए लिखे जाते हैं, वे**'कार्यालयी-पत्र'**कहलाते हैं। ये**सरकारी अफसरों**या**अधिकारियों, स्कूल**और**कॉलेज**के**प्रधानाध्यापकों**और**प्राचार्यों**को लिखे जाते हैं। इन**पत्रों में डाक अधीक्षक, समाचार पत्र के सम्पादक, परिवहन विभाग, थाना प्रभारी, स्कूल प्रधानाचार्य**आदि को लिखे गए पत्र आते हैं।

Question 11

कार्यालयी पत्र-लेखन में संबोधन के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला शब्द कौन-सा है ?

Options:

A. प्रिय

B. बंधुवर

C. सेवा में

D. मित्रवर

Answer: A

Solution:

कार्यालयी पत्र-लेखन में संबोधन के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला शब्द है-**प्रिय**

Key Points

संबोधन-

- विषय के बाद **पत्र के बाईं ओर** संबोधन सूचक शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- व्यक्तिगत पत्र में **प्रिय** लिखकर **प्राप्तकर्ता का नाम** या **उपनाम** दिया जाता है; जैसे–'**प्रिय रमेश**', '**प्रिय राधा**' आदि।
- अपने से बड़ों के लिए प्रिय के स्थान पर **पूज्य, मान्यवर, श्रद्धेय** आदि शब्दों का प्रयोग होता है।
- सरकारी पत्रों में यह कार्य '**प्रिय महोदय**' या **प्रिय महोदया** के द्वारा संपन्न कर लिया जाता है।

Important Points

औपचारिक-पत्र की प्रशस्ति(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द),अभिवादन व समाप्ति-

प्रशस्ति	(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द) - श्रीमान, श्रीयुत, मान्यवर, महोदय आदि।
अभिवादन	औपचारिक-पत्रों में अभिवादन नहीं लिखा जाता।
समाप्ति	आपका आज्ञाकारी शिष्य/आज्ञाकारिणी शिष्या, भवदीय/भवदीया, निवेदक/ निवेदिका, शुभचिंतक, प्रार्थी आदि।

अनौपचारिक-पत्र की प्रशस्ति(आरम्भ में लिखे जाने वाले आदरपूर्वक शब्द),अभिवादन व समाप्ति-

- **अपने से बड़े आदरणीय संबंधियों के लिए-**

प्रशस्ति	आदरणीय, पूजनीय, पूज्य, श्रद्धेय आदि।
अभिवादन	सादर प्रणाम, सादर चरणस्पर्श, सादर नमस्कार आदि।
समाप्ति	आपका बेटा, पोता, नाती, बेटी, पोती, नातिन, भतीजा आदि।

- **अपने से छोटों या बराबर वालों के लिए-**

प्रशस्ति	प्रिय, चिरंजीव, प्यारे, प्रिय मित्र आदि।
अभिवादन	मधुर स्मृतियाँ, सदा खुश रहो, सुखी रहो, आशीर्वाद आदि।
समाप्ति	तुम्हारा, तुम्हारा मित्र, तुम्हारा हितैषी, तुम्हाराशुभचिंतकआदि।

Additional Information

पत्र	परिभाषा

कार्यालयी-पत्र	जो पत्र कार्यालयी**काम-काज**के लिए लिखे जाते हैं, वे**'कार्यालयी-पत्र'**कहलाते हैं। ये**सरकारी अफसरों**या**अधिकारियों, स्कूल**और**कॉलेज**के**प्रधानाध्यापकों**और**प्राचार्यों**को लिखे जाते हैं। इन**पत्रों में डाक अधीक्षक, समाचार पत्र के सम्पादक, परिवहन विभाग, थाना प्रभारी, स्कूल प्रधानाचार्य**आदि को लिखे गए पत्र आते हैं।

Question 12

इनमें से कौन-सा कार्यालयी पत्र का रूप नहीं है ?

Options:

A. कार्यालय आदेश

B. अर्द्धशासकीय पत्र

C. शोक पत्र

D. अधिसूचना

Answer: C

Solution:

कार्यालयी पत्र का रूप नहीं है -**शोक पत्र**

Key Points

कार्यालयी पत्र के प्रकार:

- **कार्यालय आदेश:**
  - किसी निर्णय या निर्देश को औपचारिक रूप से जारी करने के लिए
- **कार्यालय ज्ञापन:**
  - किसी विशेष कार्य या सूचना को कार्यालय के भीतर प्रसारित करने के लिए
- **अधिसूचना:**
  - किसी महत्वपूर्ण सूचना को सार्वजनिक रूप से जारी करने के लिए
- **अर्ध-सरकारी पत्र:**
  - सरकारी अधिकारियों के बीच औपचारिक संवाद के लिए
- **परिपत्र:**
  - किसी विशेष विषय पर जानकारी को विभिन्न कार्यालयों या व्यक्तियों को भेजने के लिए
- **टिप्पणी:**

- किसी विषय पर अपनी राय या सुझाव व्यक्त करने के लिए
- **सूचना:**
  - किसी विशेष कार्य या घटना के बारे में जानकारी देने के लिए

📌 Important Points

कार्यालयी पत्र का प्रारूप:

- **ऊपर बाईं ओर:** प्रेषक का कार्यालय का नाम, पता, और संपर्क विवरण
- **बीच में:** पत्र का विषय
- **दाईं ओर:** पत्र का क्रमांक और दिनांक
- **"सेवा में" के बाद:** प्राप्तकर्ता का नाम, पद, और पता
- **मुख्य पाठ:** पत्र का मुख्य विषय, जिसमें जानकारी, अनुरोध, या निर्णय शामिल होता है
- **अंत में:** प्रेषक का नाम और पदनाम

Additional Information

शोक पत्र-

- **शोक संवेदना संदेश पत्र** एक ऐसा पत्र होता है जिसे किसी **व्यक्ति की मृत्यु पर** लिखा जाता है।
- इस पत्र में, लेखक **मृतक के प्रति** अपनी **संवेदना व्यक्त** करता है और **शोकग्रस्त परिवार** के प्रति अपनी **सहानुभूति व्यक्त** करता है।

शोक संवेदना संदेश पत्र लिखते समयबातों का ध्यान रखना चाहिए:

- पत्र की शुरुआत में, मृतक के नाम और संबंध का उल्लेख करें।
- मृतक के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करें।
- मृतक के परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करें।
- मृतक के साथ अपने अनुभवों का उल्लेख करें, यदि कोई हो।
- पत्र को एक सकारात्मक नोट पर समाप्त करें।

Question 13

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

'उन्नत' शब्द का विलोम है :

Options:

A. अपमान

B. अवनत

C. असहनशीलता

D. अभिमान

Answer: B

Solution:

'उन्नत' शब्द का विलोम है :**अवनत**

Key Points

- **'उन्नत'**शब्दका**विलोम**शब्द**'अवनत'**होगा।
- **'उन्नत'**का अर्थ- ऊँचा, ऊपर उठा हुआ।
- **'अवनत'**का अर्थ- नीचा, झुका हुआ।
- **विलोम**-जो शब्द किसी एक शब्द के**विपरीत अर्थ**को व्यक्त करतेहैं,वे**विलोम**शब्द कहलातेहैं।

अन्य विकल्प-

शब्द	विलोम
अपमान	सम्मान
असहनशीलता	सहनशीलता
अभिमान	अनभिमान

Additional Information

कुछ अन्यमहत्वपूर्ण विलोम शब्द -

शब्द	विलोम
कृतज्ञ	कृतघ्न
औचित्य	अनुचित्य
एकत्र	विकीर्ण
ऋद्धि	विपन्नता
ऊखल	मूसल
घमंड	विनय
चातुर्य	सीधापन
जटिल	सरस

तिमिर	प्रकाश

Question 14

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

गद्यांश में प्रयुक्त इन शब्दों के सही वर्णानुक्रम का चयन कीजिए :

(A) आयातित

(B) अधिकार

(C) आत्मनिर्भरता

(D) उदाहरण

(E) नवीनतम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (B), (C), (A), (D), (E)

B. (C), (D), (A), (B), (E)

C. (D), (A), (B), (C), (E)

D. (A), (E), (B), (D), (C)

Answer: A

Solution:

सही उत्तर है -**(B), (C), (A), (D), (E)**

Key Points

- सही **वर्णानुक्रम** में शब्दों का क्रम होगा:
  - **(B)** अधिकार,
  - **(C)** आत्मनिर्भरता,
  - **(A)** आयातित,
  - **(D)** उदाहरण,
  - **(E)** नवीनतम

Important Points

- **शब्दकोश के लिए स्वीकृत वर्णमाला है-**
  - अं,अँ, अ:, अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
- **एवं इसकेबाद -**
  - **'क'**वर्ण से लेकर**'ह'**तक के क्रमानुसार वर्ण।
  - क,**(क्ष)**,ख, ग, घ, ङ।
  - च, छ, ज,**(ज्ञ)**,झ,ञ।
  - ट,ठ,ड,**(ड़)**,ढ,**(ढ़)**ण।
  - त,**(त्र)**,थ,द, ध,न।
  - प, फ, ब, भ, म।
  - य,र,ल,व।
  - श,**(श्र)**,ष,स,ह।

Additional Information

शब्दकोश:-

- **शब्दकोश**एक बड़ी**सूची**या**ऐसा ग्रंथ**जिसमें शब्दों की**वर्तनी, उनकी व्युत्पत्ति, व्याकरणनिर्देश, अर्थ, परिभाषा, प्रयोग**और**पदार्थ**आदि का**समावेश**हो।

Question 15

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न

देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

गद्यांश के आधार पर सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I प्रत्यय		सूची- II मूल शब्द	
(A)	कार	(I)	नवीनतम
(B)	इक	(II)	अधिकार
(C)	तम	(III)	आत्मनिर्भरता
(D)	ता	(IV)	आर्थिक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (III)

B. (A) - (II), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (III)

C. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)

D. (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III)

Answer: B

Solution:

सही उत्तर है -(A) - (II), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (III)

Key Points

सूची-I को सूची-II से सुमेलित -

सूची- I प्रत्यय		सूची- II मूल शब्द	
(A)	कार	(II)	अधिकार

(B)	इक	(IV)	आर्थिक
(C)	तम	(I)	नवीनतम
(D)	ता	(III)	आत्मनिर्भरता

Important Points

शब्द	प्रत्यय	अर्थ
नवीनतम	नवीन + **तम**	जो अभी बना, निकला, प्रस्तुत या विदित हुआ हो
अधिकार	अधि + **कार**	कार्यभार, प्रभुत्व, आधिपत्य, प्रधानता।
आत्मनिर्भरता	आत्मनिर्भर + **ता**	आत्मनिर्भर होने का गुण या अवस्था।
आर्थिक	अर्थ +**इक**	अर्थ संबंधी, रुपये-पैसे का।

Additional Information

- **प्रत्यय** -जो शब्दांश, शब्दों के**अंत में जुड़कर**अर्थ में परिवर्तन लाये,**प्रत्ययशब्द**कहलातेहै।

कुछ महत्वपूर्ण प्रत्ययशब्द -

- **तम** -उच्चतम, लघुतम, क्रूरतम, कठिनतम।
- **कार** -कुंभकार, ग्रंथकार, स्वर्णकार, चर्मकार।
- **ता** -उत्तमता, शत्रुता, मनुष्यता, प्रसन्नता, सकारात्मकता, सफलता।
- **इक** -धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक।
- **ईय** -भारतीय, राजकीय, तरकीय, जातीय, स्वर्गीय।
- **उक** -भिक्षुक, भावुक,कामुक,नाजुक।
- **अन** -चिंतन, मनन, भवन, मरण, करण।
- **अक** -पाठक, गायक, लेखक, नायक, धावक।
- **आई** -पढ़ाई, लिखाई, बुनाई, सिलाई।

Question 16

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें

अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है।

कथन II : 'आत्मनिर्भरता' और 'प्रोत्साहन' आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए अनिवार्य नहीं है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. कथन I और II दोनों सही हैं

B. कथन I और II दोनों ग़लत हैं

C. कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है

D. कथन I ग़लत है, लेकिन कथन II सही है

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है**

Key Points

गद्यांश के आधार-

- दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है
  - और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है।
- यह दूसरी बात है कि हमें अपनी **'आत्मनिर्भरता'** लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर **'प्रोत्साहित'** करना होगा।
  - **आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।**

Additional Information

- **कथन II :**'आत्मनिर्भरता' और 'प्रोत्साहन' आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए अनिवार्य नहीं है।
- **कथन II :** गलत है, क्योंकि 'आत्मनिर्भरता' और 'प्रोत्साहन' आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिएयह अनिवार्य है।

Question 17

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

'अवदान' शब्द का पर्यायवाची है :

Options:

A. अनुदान

B. अनुसंधान

C. भूमिका

D. अन्वेषण

Answer: A

Solution:

'अवदान' शब्द का पर्यायवाची है :**अनुदान**

Key Points

- **'अवदान'**शब्द कापर्यायवाचीशब्द**'अनुदान'**होगा।
- **'अवदान'**के अन्य**पर्यायवाचीशब्द**-पराक्रम, सहयोग, योगदान।
- **पर्यायवाचीशब्द-**ऐसेशब्दजिनके**अर्थसमान**हों,**पर्यायवाचीशब्द**कहलाते हैं।

अन्यविकल्प-

शब्द	पर्यायवाचीशब्द
अनुसंधान	शोध, **अन्वेषण**, गवेषणा, आन्विक्षिकी, मीमांसा, छानबीन, जाँच, पड़ताल, विश्लेषण।
भूमिका	पृष्ठभूमि, परिचय, प्रस्तावना, मुखबंध, अभिनय, कलाकारी, रोल, पार्ट।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णपर्यायवाचीशब्द-

शब्द	पर्यायवाचीशब्द
व्यथा	पीड़ा, दर्द, वेदना, शूल, शोक, कष्ट, विपदा, तकलीफ़।
असभ्य	कुशील, अकुलीन, अविनीत, अशिष्ट, अननुग्रही, उजड्ड।
ईर्ष्यालु	विद्वेषी, स्पृहाशील, डाहीद्वेषी, ईर्ष्यायुक्त, स्पृहालु।
उद्देश्य	अभीष्ट, निर्मित, ध्येय, मकसद, साधन, नीयत, प्रयोजन।
कीर्ति	ख्याति, यश, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि, शोहरत।
खास	खालिस, विशेष, आत्मीय, प्रधान, मुख्य, प्रिया, निजी।
गरीब	निर्धन, मुफ़लिस, दरिद्र, अभावग्रस्त, कंगाल, दीन।
विनीत	विनम्र, सुशील, शिष्ट, नम्र, विनयी, शीलवान।

Question 18

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया से अच्छा ग्रहण करने का अधिकार सभी देशों को है, भारत के ज्ञान-विज्ञान- चिंतन से बहुत-सी चीज़ें दुनिया ने ली हैं। दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। आज भी पश्चिम में हो रहे नवीनतम अन्वेषणों में विभिन्न देशों की मेधा, प्रतिभा, श्रम, कौशल, धन, आदि लगे हैं। उदाहरण के लिए भारत की अनेक प्रतिभाएँ अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं, क्या यह प्रकारांतर से भारतीय अवदान नहीं है ? उन्नत देशों की वस्तुएँ ऊँचे मूल्य पर खरीद कर अनेक छोटे देश उच्चतर अनुसंधान में परोक्ष आर्थिक योगदान देते हैं। इसलिए किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता। यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा। आयातित प्रदूषण से बचने और अपने सांस्कृतिक उन्नयन के लिए यह अनिवार्य है।

collegebatch.com

दिए गए गद्यांश के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए :

(A) ज्ञान आदान-प्रदान की चीज़ है।

(B) सॉफ्टवेयर निर्माण में भारतीय प्रतिभाएँ शामिल नहीं हैं।

(C) किसी उपलब्धि को भूगोल तक सीमित नहीं कर सकते।

(D) प्रतिभा को प्रोत्साहन की अपेक्षा नहीं।

(E) संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं, उसमें अन्य देशों की भूमिका नहीं होती।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. केवल (A) और (B)

B. केवल (A) और (C)

C. केवल (D) और (E)

D. केवल (B) और (D)

Answer: B

Solution:

सही उत्तर है -**केवल (A) और (C)**

Key Points

गद्यांश के आधार -

- दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं
- उनमें अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है और यह **आदान-प्रदान का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है।**
- इसलिए **किसी भी उपलब्धि को किसी भूगोल में सीमित नहीं किया जा सकता।**

Additional Information

अन्य विकल्प -

- (B) सॉफ्टवेयर निर्माण में भारतीय प्रतिभाएँ शामिल नहीं हैं।
  - **त्रुटि रहित -** उदाहरण के लिए **भारत की अनेक प्रतिभाएँ** अर्से से अमेरिका और अन्य देशों में उच्चस्तरीय अन्वेषण और **संगणक के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर निर्माण में लगी हैं,**
- (D) प्रतिभा को प्रोत्साहन की अपेक्षा नहीं।
  - **त्रुटि रहित -**यह दूसरी बात है कि हमें अपनी 'आत्मनिर्भरता' लगातार बढ़ानी होगी और अपनी **प्रतिभाओं को निरंतर 'प्रोत्साहित' करना होगा।**
- (E) संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं, उसमें अन्य देशों की भूमिका नहीं होती।
  - **त्रुटि रहित -**दूसरी बात यह है कि संसार में जहाँ भी ज्ञान-विज्ञान-विचार जन्म लेते हैं उनमें **अन्य देशों की भी ज्ञात-अज्ञात भूमिका होती है**

Question 19

"न रहेगी बाँस न बजेगी बाँसुरी" लोकोक्ति का सही अर्थ है :

Options:

A. मूल कारण को जड़ से नष्ट करना

B. पेड़ को जड़ से उखाड़ना

C. बाँस को जड़ से समाप्त करना

D. बाँस और बाँसुरी तोड़ना

Answer: A

Solution:

"न रहेगी बाँस न बजेगी बाँसुरी" लोकोक्ति का सही अर्थ है :**मूल कारण को जड़ से नष्ट करना**

Key Points

- **'न रहेगी बाँस न बजेगी बाँसुरी'**का अर्थ -मूल कारण को जड़ से नष्ट करना।
- **वाक्य प्रयोग-**देवांग के लिए खतों को स्तुति ने जलाकर राख कर दिया, अब **"नरहेगा बाँस नबजेगी बाँसुरी"।**
- **लोकोक्ति-**जब कोई पूरा कथन किसी**प्रसंग विशेष में उद्धत**किया जाता है,**लोकोक्ति**कहलाता है। इसी को**कहावत**कहते है।
  - **जैसे -'इतनी-सी जान, गज भर की जुबा'**का अर्थ -बहुत बढ़-बढ़ कर बातें करना,
- **वाक्य प्रयोग-**चार साल की बच्ची जब बड़ी-बड़ी बातें करने लगी तो दादाजी बोले-**"इतनी सी जान, गज भर की जुबान"।**

Important Points

लोकोक्ति	अर्थ
जड़ से उखाड़ना	पूरी तरह से नष्ट करना जिससे कोई व्यक्ति या चीज जम या पनप न सके।
आम के आम गुठलियों के दाम	किसी काम में दोहरा लाभ होना।

Additional Information

लोकोक्ति	अर्थ	वाक्य प्रयोग
अस्सी की आमद, चौरासी खर्च	आमदनी से अधिक खर्च	राजू के तो **"अस्सी की आमद, चौरासी खर्च हैं"।** इसलिए उसके वेतन में घर का खर्च नहीं चलता।
ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया	ईश्वर की बातें विचित्र हैं।	कई बेचारे फुटपाथ पर ही रातें गुजारते हैं और कई भव्य बंगलों में आनन्द करते हैं। सच है **"ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया"।**
ऊधो का लेना न माधो का देना	केवल अपने काम से काम रखना।	प्रोफेसर साहब तो बस अध्ययन और अध्यापन में लगे रहते हैं। गुटबन्दी से उन्हें कोई लेना-देना नहीं- **"ऊधो का लेना न माधो का देना"।**
काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती	चालाकी से एक ही बार काम निकलता है।	एक बार तो मेहुल मुझसे झूठ बोल कर कर्जा ले गया लेकिन हर बार वह मुझे मुर्ख नहीं बना सकता। ध्यान रखो, **"काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती"।**

Question 20

"कूद-कूद मछली बगुले को खाय" लोकोक्ति का अर्थ है :

Options:

A. बिना बल कोई काम करना

B. बिल्कुल विपरीत काम होना

C. बगुला कूद-कूद कर मछली को खाता है

D. सब दिन एक जैसे नहीं होते

Answer: B

Solution:

"कूद-कूद मछली बगुले को खाय" लोकोक्ति का अर्थ है :**बिल्कुल विपरीत काम होना**

Key Points

- **"कूद-कूद मछली बगुले को खाय"**का अर्थ -बिल्कुल विपरीत काम होना।
- **वाक्य प्रयोग** -मैंने तो बहुत मेहनत की थी, लेकिन अंत में सब कुछ उल्टा हो गया, मानो **"कूद-कूद मछली बगुले को खाय"।**
- **लोकोक्ति**-जब कोई पूरा कथन किसी**प्रसंग विशेष में उद्धत**किया जाता है,**लोकोक्ति**कहलाता है। इसी को**कहावत**कहते है।
  - **जैसे -अन्धा क्या चाहे दो आँखें** -मनचाही बात हो जाना।
- **वाक्य प्रयोग** -अभी मैं विद्यालय से अवकाश लेने की सोच ही रही थी कि मेघा ने मुझे बताया कि कल विद्यालय में अवकाश है। यह तो वही हुआ-**"अन्धा क्या चाहे दो आँखें"।**

Important Points

लोकोक्ति	अर्थ
साँप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे	बिना बल का प्रयोग किये काम हो जाना
कभी दिन बड़े कभी रात। अर्थ	सब दिन एक समान नहीं होते।

Additional Information

लोकोक्ति	अर्थ	वाक्य प्रयोग
जिसकी लाठी उसकी भैंस	बलवान की ही जीत होती है।	सरपंच ने जिसे चाहा उसे बीज दिया। बेचारे किसान कुछ न कर पाए। इसे कहते हैं- **"जिसकी लाठी उसकी भैंस"।**
ऊँची दूकान फीका पकवान	नाम बड़ा होना लेकिन गुणवत्ता कम होना	राजनीति में एक बड़े नेता के आने पर लोगों को लगा कि ये तो**"ऊँची**

		दुकान फीके पकवान निकले"।
मन चंगा तो कठौती में गंगा	यदि मन शुद्ध हो तो तीर्थाटन का फल घर में ही मिल सकता है।	रामू काका कभी गंगा नहाने नहीं जाते, वह हमेशा सबकी मदद करते रहते हैं। ठीक ही कहते है- **"मन चंगा तो कठौती में गंगा"।**
आगे नाथ न पीछे पगहा	किसी भी तरह की जिम्मेदारी का न होना।	राहुल का इस संसार में कोई नहीं है इसलिए वो कहता है -**'आगे नाथ न पीछे पगहा'।**

Question 21

"अध्यक्ष" शब्द में कौन-सा उपसर्ग निहित है ?

Options:

A. अध

B. अक्ष

C. अधि

D. अध्य

Answer: C

Solution:

"अध्यक्ष" शब्द में उपसर्ग निहित है -**अधि**

Key Points

- **अधि** + अक्ष =अध्यक्ष
- **'अधि'**उपसर्ग और **'अक्ष'**मूल शब्द
- **'अध्यक्ष'**का अर्थ - ऊपर या श्रेष्ठ पद पर बैठा व्यक्ति।

Important Points

- **उपसर्ग**शब्द के**शुरू**में जुड़ता है।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णउपसर्गशब्द:-

- **अधि**(प्रधान/श्रेष्ठ) - अधिनियम, अधिनायक, अधिकृत, अधिकरण, अध्ययन।
- **अध** (आधा) अधपका, अधमरा, अधजला, अधखिला, अधनंगा, अधगला।
- **अपि**(निश्चय, ठीक) - अपिकक्ष, अपिकक्ष्य, अपिकर्ण,अपिरूप आदि।
- **नि** (बिना) - निडर, निगम, निवास, निषेध, निबन्ध, निषिद्ध।
- **परि** (चारों ओर) - परिक्रमा, परिवार, परिपूर्ण, परिश्रम, परीक्षा, पर्याप्त।
- **अति**(ज्यादा) -अतिशय, अतिक्रमण, अतिवृष्टि, अतिशीघ्र, अत्यन्त।
- **सम्**(अच्छी तरह) - सन्तोष, संगठन,संलग्न, संकल्प, संशय, संरक्षा।
- **प्रति**(प्रत्येक) -प्रतिदिन, प्रत्येक, प्रतिकूल, प्रतिहिंसा, प्रतिरूप, प्रतिध्वनि।

Question 22

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I :विशेषण एक ऐसा विकारी शब्द है, जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है।

कथन II :विशेषण के प्रयोग से जिस संज्ञा का गुण अथवा धर्म प्रकट होता है, उस संज्ञा को वैयाकरण विशेष्य कहते हैं।

उपर्युक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. कथन I और II दोनों सही हैं

B. कथन I और II दोनों ग़लत हैं

C. कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है

D. कथन I ग़लत है, लेकिन कथन II सही है

Answer: A

Solution:

सही उत्तर है -**कथन I और II दोनों सही हैं**

Key Points

विशेषण-

- विशेषण एक ऐसा **विकारी** शब्द है जो **संज्ञा** या **सर्वनाम** की विशेषता बताता है।
- **संज्ञा**अथवा**सर्वनाम**शब्दोंकीविशेषता(गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि)बतानेवालेशब्द**'विशेषण'**कहलातेहैं।
- **जैसे-**बड़ा, काला, लम्बा, दयालु, भारी, सुंदर, कायर,एक, दो, वीर पुरुष, गोरा, अच्छा, बुरा, मीठा, खट्टाआदि।
  - लोमड़ी बहुत**लालची**जानवर है।

विशेष्य-

- विशेषण के प्रयोग से जिस **संज्ञा का गुण या धर्म** प्रकट होता है, उस संज्ञा कोवैयाकरण**'विशेष्य'**कहते हैं।
- जिस**संज्ञा**और**सर्वनाम**की विशेषता बताई जाती है, उसे**विशेष्य**कहते हैं।
  - **जैसे-सफेदघोड़ा**, **गोलाआदमी।** यहाँ**'सफेद**और**गोला'**विशेषण हैं तथा**'घोड़ा**और**आदमी'**विशेष्य हैं।

Important Points

- हिन्दी व्याकरण में **विकारी** शब्द **चार** प्रकार के होते हैं:
  - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया।
- हिन्दी व्याकरण में**अविकारी** शब्द **चार** प्रकार के होते हैं:
  - क्रिया विशेषण अव्यय, संबंध बोधक अव्यय, समुच्चय बोधक अव्यय, विस्मयादि बोधक अव्यय।

Additional Information

- विशेषण के मुख्य रूप से **चार** भेद होते हैं:
  1. गुणवाचक विशेषण,
  2. परिमाणवाचक विशेषण,
  3. संख्यावाचक विशेषण,
  4. सार्वनामिक विशेषण

Question 23

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I कारक		सूची- II विभक्तियाँ	
(A)	अपादान	(I)	के लिए, वास्
(B)	करण	(II)	से
(C)	संप्रदान	(III)	का, की, के
(D)	संबंध	(IV)	से, द्वारा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (A) - (IV), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (I)

B. (A) - (II), (B) - (IV), (C) - (III), (D) - (I)

C. (A) - (II), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (III)

D. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (II), (D) - (I)

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -(A) - (II), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (III)

Key Points

सूची-I को सूची-II से सुमेलित -

सूची- I कारक		सूची- II विभक्तियाँ	
(A)	अपादान	(II)	से
(B)	करण	(IV)	से, द्वारा
(C)	संप्रदान	(I)	के लिए, वास्
(D)	संबंध	(III)	का, की, के

Important Points

कारक	विभक्ति
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, द्वारा
सम्प्रदान	को, के लिए, हेतु
अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
सम्बन्ध	का, की, के, रा, री, रे
अधिकरण	में, पर

सम्बोधन	हे! अरे! ऐ! ओ! हाय!

Additional Information

अपादान कारक:-

- जब**संज्ञा**या**सर्वनाम**के किसी रूप से किन्हीं**दो वस्तुओं**के अलग होने का बोध होता है, तब वहां**अपादान कारक**होता है।
- अपादान कारक का भी विभक्ति चिन्ह**'से'**(अलगाव)होता है।

उदाहरण -

- आम पेड़**से**टूटकर नीचे गिर गया।
- रमेश कानपुर**से**लखनऊ गया।

करण कारक:-

- वह**साधन**जिससे**क्रिया**होती है, वह**करण**कहलाता है। यानि, जिसकी**सहायता**से**किसी काम को अंजाम**दिया जाता, वह**करण कारक**कहलाता है।
- करण कारक के**दो**विभक्ति चिन्ह होते है- **से**और**के द्वारा।**

उदाहरण -

- बच्चे मिट्टी**से**खेल रहे हैं।
- रजत**के द्वारा**वह काम इतनी जल्दी हुआ।

सम्बन्ध कारक:-

- **संज्ञा**या**सर्वनाम**का वह रूप जो हमें किन्हीं**दो वस्तुओं के बीच संबंध**का बोध कराता है, वह**संबंध कारक**कहलाता है।
- **सम्बन्ध कारक**के विभक्ति चिन्ह**का, के, की, ना, ने, नो, रा, रे, री**आदि हैं।

जैसे -

- राजा दशरथ**के**चार बेटे थे।
- यह सुनील**की**किताब है।
- यह साहिल**का**स्कूटर है।

सम्प्रदान कारक:-

- जब**वाक्य**में किसी को**कुछ दिया जाए**या किसी के लिए**कुछ किया जाए**तो वहां पर**सम्प्रदान कारक**होता है।
- सम्प्रदान कारक के विभक्ति चिन्ह**के लिए**या**को**हैं।

जैसे -

- वह अरुण**के लिए**मिठाई लाया।
- विकास तुषार**को**किताबें देता है।

Question 24

"श्याम घर आना चाहता है" वाक्य में कौन-सी क्रिया है ?

Options:

A. इच्छा बोधक

B. आवश्यकता बोधक

C. अभ्यास बोधक

D. निश्चय बोधक

Answer: A

Solution:

"श्याम घर आना चाहता है" वाक्य मेंक्रिया है -**इच्छा बोधक**

Key Points

- "श्याम घर आना चाहता है" वाक्य में **'आना चाहता है'** क्रिया **इच्छा बोधक क्रिया** है, जो श्याम की घर आने की **इच्छा को व्यक्त** कर रही है।
- जिस **संयुक्त क्रिया** के करने की **इच्छा प्रकट** होती है ,उसे **इच्छाबोधक संयुक्त क्रिया** कहते हैं ।
  - **जैसे:** मैं लिखना चाहता हूं।

Important Points

- अर्थ के अनुसार **संयुक्त क्रिया** के मुख्य 11 भेद हैं:
  - आरंभ बोधक

- समाप्ति बोधक
- अवकाश बोधक
- अनुमति बोधक
- नित्यता बोधक
- आवश्यकता बोधक
- निश्चय बोधक
- इच्छा बोधक
- अभ्यास बोधक
- शक्ति बोधक
- पुनरुक्त बोधक

Additional Information

आवश्यकता बोधक:-

- जिससे कार्य की **आवश्यकता** या **कर्तव्य का बोध** हो, वह '**आवश्यकता बोधक संयुक्त क्रिया**' है।
  - **उदाहरण:** मुझे रोज स्कूल जाना पड़ता है।

अभ्यास बोधक:-

- इससे क्रिया के करने के अभ्यास का बोध होता है। सामान्य **भूतकाल की क्रिया** में '**करना**' क्रिया लगाने से **अभ्यासबोधक संयुक्त क्रियाएँ** बनती है।
  - **उदाहरण:** वह पढ़ा करता है।

निश्चय बोधक:-

- जिस संयुक्त **क्रिया से मुख्य क्रिया** के व्यापार की **निश्चियता का बोध** हो, उसे **निश्चयबोधक संयुक्त क्रिया** कहते हैं ।
  - **उदाहरण:** रमेश एकाएक बोल उठा।

Question 25

"हंस दूध और पानी को अलग कर देता है" वाक्य में अव्यय की पहचान करें :

Options:

A. को

B. कर

C. और

D. है

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**और**

Key Points

- "हंस दूध और पानी को अलग कर देता है" इस वाक्य में **"और"** अव्यय है।
- अव्यय का शाब्दिक अर्थ होता है – **जो व्यय न हो**।
- जिन शब्दों के रूप में **लिंग, वचन, कारक** आदि के कारण **कोई परिवर्तन नही** होता है, उन्हें **अव्यय** (अ + व्यय) या **अविकारी शब्द** कहते है।
- **जैसे -**जब, तब, अभी, उधर, वहाँ, इधर, कब, क्यों, वाह, आह, ठीक, अरे, और, तथा, एवं, किन्तु, परन्तु, बल्कि, इसलिए, अतः, अतएव, चूँकि, अवश्य, अर्थात इत्यादि।
  - मैं विद्यालय **तक** गया।

Additional Information

कारक-

- **संज्ञा** और **सर्वनाम** का **क्रिया के साथ** दूसरे शब्दों में **संबंध बताने** वाले निशानों को **कारक** कहते है।
- कारक चिह्न जैसे 'से', 'के लिए', 'का/के/की', 'में', 'पर' आदि।
  - **जैसे -**गरीबों **को** खाना दो।

मूल धातु-

- वे क्रिया के रूप होते हैं जो **स्वतंत्र** होते हैं और किसी **अन्य शब्द पर निर्भर नहीं** होते।
- **उदाहरण:**"खा" (खाना), "देख" (देखना), "पी" (पीना), **"कर"**(करना)

सहायक क्रिया-

- जो क्रिया **मुख्य क्रिया** के साथ मिलकर वाक्य में **काल, भाव,** या **आवाज़** को व्यक्त करती है,उसे **सहायक क्रिया** कहते हैं।
- **उदाहरण**:
  - "बारिश हो रही है" में, **"है"** एक सहायक क्रिया है।
  - "हम दौड़ रहे थे" में, **"थे"** एक सहायक क्रिया है।

Question 26

स्वर - संधि के कितने भेद होते हैं ?

Options:

A. तीन

B. चार

C. छह

D. पाँच

Answer: D

Solution:

स्वर - संधि केभेद होते हैं-**पाँच**

Key Points

- **स्वर संधि-दो स्वरों के मेल**से उत्पन्न होने वाले विकार को**स्वर संधि**कहते हैं।
- **जैसे -**हिम + आलय = **हिमालय** (अ+ आ =**आ**)।
  - इसके इसके**पाँच**भेद हैं-**दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि**।

Additional Information

संधि	परिभाषा	उदाहरण
दीर्घ	जब**दो**शब्दों की**संधि**करते समय**(अ, आ)**के साथ**(अ, आ)**हो तो'**आ**'बनता है,जब**(इ, ई)**के साथ**(इ, ई)**हो तो'**ई**'बनता है, जब**(उ, ऊ)**के साथ**(उ, ऊ)**हो तो'**ऊ**'बनता है, तोउसे**दीर्घ संधि**कहतेहै।	धर्म + अर्थ = **धर्मार्थ**(अ+ अ =**आ**) नारी + इंदु = **नारींदु**(ई +इ =**ई**) भानु + उदय = **भानूदय**(उ + उ =**ऊ**)
गुण	जब**संधि**करते समय**(अ, आ)**के साथ**(इ, ई)**हो तो'**ए**'बनता है, जब**(अ, आ)**के साथ**(उ, ऊ)**हो तो'**ओ**'बनता है, जब**(अ, आ)**के साथ**(ऋ)**हो तो'**अर्**'बनता है तो यह**गुण संधि**कहलाती है।	नर + ईश= **नरेश**(अ+ ई =**ए**) जल + ऊर्मि = **जलोर्मि**(अ +ऊ=**ओ**) महा + ऋषि = **महर्षि**(आ+ ऋ =**अर्**)
वृद्धि	जब संधि करते समय जब**अ , आ** के साथ**ए , ऐ**हो तो'**ऐ**'बनता है और जब**अ , आ** के साथ**ओ , औ**हो तो'**औ**'बनता है। उसे**वृद्धि**संधि कहते हैं।	मत + ऐक्य = **मतैक्य**(अ + ऐ =**ऐ**) वन + औषधि

		= **वनौषधि**(अ + ओ =**औ**)
यण	जब**संधि**करते समय**(इ, ई)**के साथ कोई अन्य स्वर हो तो**'य'**बन जाता है,जब**(उ, ऊ)**के साथ कोई अन्य स्वर हो तो**'व'**बन जाता है, जब**(ऋ)**के साथ कोई अन्य स्वर हो तो**'र्'**बनताहै, तोउसे**यण संधि**कहतेहै।	नदी + अर्पण = **नद्यर्पण**(ई+ अ = **य**) सु + आगत = **स्वागत**(उ + आ= **वे**) पितृ + आज्ञा = **पित्राज्ञा**(ऋ+ आ=**रा**)
अयादि	जब संधि करते समय**ए , ऐ , ओ , औ**के साथ कोई**अन्य स्वर**हो तो**(ए का अय),(ऐ का आय), (ओ का अव), (औकाआव)**बन जाता है। यही**अयादि संधि**कहलाती है।	ने + अन =**नयन**(ए + अ =**अय**) नै + अक =**नायक**(ऐ + अ**आय**) भो + अन =**भवन**(ओ + अ =**अव**) नौ + इक =**नाविक**(औ + इ =**आव**)

Question 27

"श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार।

बरनौ रघुवर विमल जस, जो दायक फल चार।।"

इन पंक्तियों में किस छंद का प्रयोग किया गया है ?

Options:

A. सोरठा

B. कुंडलिया

C. बरवै

D. दोहा

Answer: D

Solution:

"श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार।

बरनौ रघुवर विमल जस, जो दायक फल चार।।"

इन पंक्तियों में छंद का प्रयोग किया गया है -**दोहा**

Key Points

- "श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार।
- S I II IIISIIII II I III S I =**13 +11 = 24**
- बरनौ रघुवर विमल जस, जो दायक फल चार।।" =**13 +11 = 24**
- IISI II IIIIISSIIIS I
- इन पंक्तियों में छंद का प्रयोग किया गया है -**दोहा**

Important Points

दोहा:-

- यह**अर्धसममात्रिक छंद**होता है। ये**सोरठा छंद**के विपरीत होता है।
- इसमें**पहले**और**तीसरे**चरण में**13-13**तथा दूसरे और**चौथे**चरण में**11-11**मात्राएँ होती हैं।
- इसमें चरण के अंत में**लघु (I)**होना जरूरी होता है।
- **जैसे:-**
  - रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
  - I III SSSISII SSII S I
  - पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।

Additional Information

सोरठा:-

- यह**अर्धसम मात्रिक छंद**है । यह**दोहे**का उल्टा होता है।
- इसके**प्रथम**और**तृतीय**चरण में**11 -11**मात्राएँ एवं**द्वितीय**और**चतुर्थ**चरण में**13 -13**मात्राएँ होती हैं ।
- इसमें तुक**प्रथम**और**तृतीय**चरण के अंत में अर्थात**मध्य**में होता है। इसके सम चरणों में**जगण**नहीं होता ।

उदाहरण-

- जो सुमिरत सिधि होइ, गन नायक कविवर बदन।
- करहु अनुग्रह सोइ, बुद्धि रासि शुभ गुन सदन॥

बरवै:-

- बरवै **अर्द्धसम मात्रिक** छन्द है।

- इसके **प्रथम** एवं **तृतीय** चरण में **12-12** मात्राएँ तथा **द्वितीय** एवं **चतुर्थ** चरण में **7-7** मात्राएँ हाती हैं।
- सम चरणों के अन्त में **'जगण' (I S I)** होता है।
- **गोस्वामी तुलसीदास** की प्रसिद्ध रचनाओं में से एक **'बरवै रामायण'** बरवै छन्दों में ही रची गई है, जिसमें भगवान **श्रीराम** की कथा है।

उदाहरण-

- आँख मिलेंगी सबसे,रख व्यवहार।
  फूल सभी जन चाहें,एक न ख़ार।।

कुण्डलिया:-

- कुण्डलिया छंद**दोहा-रोला**छंदों के योग से बनता है।
- कुंडलियाँएक**विषम मात्रिक**छंद होता है।
- यह**दोहा-रोला**छंदोंके योग से बनता है।
- पहले**एक दोहा**और बाद में**दोहा के चौथे चरण**से यदि**एक रोला**रख दिया जाए तो वह**कुंडलिया छंद**बन जाता है।

उदाहरण-

- सावन बरसा जोर से, प्रमुदित हुआ किसान ।
- लगा रोपने खेत में, आशाओं के धान ।।
- आशाओं के धान, मधुर स्वर कोयल बोले ।
- लिए प्रेम-सन्देश, मेघ सावन के डोले ।
- 'ठकुरेला' कविराय, लगा सबको मनभावन ।
- मन में भरे उमंग, झूमता गाता सावन ।।

Question 28

"पसेरी" शब्द में कौन-सा समास निहित है ?

Options:

A. कर्मधारय

B. तत्पुरुष

C. द्विगु

D. द्वंद्व

Answer: C

Solution:

"पसेरी" शब्द में समास निहित है -**द्विगु**

Key Points

- **"पसेरी"** का समास विग्रह :- पाँच सैरों का **समूह**
- **"पसेरी"** शब्द में **द्विगु समास** का प्रयोग है।
- वह समास जिसका**पहला पदसंख्यावाचक विशेषण**होता है
  - तथा समस्तपद किसी**समूह**या फिर किसी**समाहार**का बोध करता है, तो वह**द्विगु समास**कहलाता है।
- **उदाहरण -**
  - **नवरात्र** =नव रात्रियों का**समूह**
  - **दोराह** =दो राहों का**समाहार**

Important Points

समासके भेद-

1. तत्पुरुषसमास
2. कर्मधारयसमास
3. द्विगुसमास
4. द्वंद्वसमास
5. बहुव्रीहिसमास
6. अव्ययीभावसमास

Additional Information

समास	परिभाषा	उदाहरण
कर्मधारय	जिस**समास**के दोनों शब्दों के बीच**विशेषण-विशेष्य**अथवा**उपमान-उपमेय**का सम्बन्ध हो, उसे**कर्मधारय समास**कहलाता है। **पहचान:**विग्रह करने पर दोनों पद के मध्य में**'रुपी', 'है जो', 'के समान'**आदि आते हैं।	अधपका =आधा**है जो**पका करकमल =कर**रूपी**कमल मृगलोचन =मृग**के समान**लोचन
तत्पुरुष	जिसमें**उत्तरपद प्रधान**होता है, अर्थात**प्रथम पद गौण**होता है एवं**उत्तर पद की प्रधानता**होती है व समास करते वक़्त बीच की**विभक्ति का लोप**हो जाता है।इस समास में आने वाले कारक चिन्हों**को, से, के लिए, से, का/के/की, में, पर**आदि का लोप होता है।	विकासोन्मुख = विकास**को**उन्मुख नीतियुक्त = नीति**से**युक्त

द्वंद्व	जिस समास में समस्तपद के**दोनों पद प्रधान**हों या**दोनों पद सामान**हों एवं दोंनों पदों को मिलाते समय**'और'**, **'अथवा'**, **'या'**, **'एवं'**आदि योजक लुप्त हो जाएँ, वह समास**द्वंद्वसमास**कहलाता है।	भला-बुरा = भला**या**बुरा राम-कृष्ण =राम**और**कृष्ण

Question 29

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : जहाँ किसी शब्द का प्रयोग एक बार हो, किंतु अर्थ भिन्न-भिन्न होता हो वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

कथन II : जहाँ कोई शब्द एक से अधिक बार प्रयुक्त हो, किंतु उसका अर्थ अलग-अलग हो वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. कथन I और II दोनों सही हैं

B. कथन I और II दोनों ग़लत हैं।

C. कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है

D. कथन I ग़लत है, लेकिन कथन II सही है

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**कथन I सही है, लेकिन कथन II ग़लत है**

Key Points

- **कथन I** सही है। श्लेष अलंकार तब होता है जब एक ही शब्द का प्रयोग एक बार किया जाए और इसका अर्थ भिन्न-भिन्न हो।
- **कथन II** गलत है। श्लेष अलंकार में एक ही शब्द का प्रयोग बार-बार नहीं होता बल्कि एक ही शब्द का अर्थ अलग-अलग होता है।
    - अतः सबसे उपयुक्त उत्तर होगा: **कथन I सही है** और **कथन II गलत** है।

Additional Information

श्लेष:-

- श्लेष का अर्थ है**चिपकाना**,
- जहां शब्द तो**एक बार**प्रयुक्त किया जाए पर उसके**एक से अधिक अर्थ**निकले वहाँ**श्लेष अलंकार**होता है।

उदाहरण-

- मेरी भव बाधा हरो राधा नागरि सोय।
- जा तन की झाँई परे श्याम हरित दुति होय।।
- (काव्यांश में कवि द्वारा **हरित** शब्द का प्रयोग **दो** अर्थ प्रकट करने के लिए किया है।
- यहाँ **हरित** शब्द के अर्थ हैं- **हर्षित** (प्रसन्न होना) और **हरे रंग** का होना।)

Question 30

"लेवत मुख में घास मृग, मोर तजत नृत जात।

आँसू गिरियत जर लता, पीरे-पीरे पात।।"

उक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?

Options:

A. भ्रांतिमान

B. अतिशयोक्ति

C. यमक

D. श्लेष

Answer: B

Solution:

"लेवत मुख में घास मृग, मोर तजत नृत जात।

आँसू गिरियत जर लता, पीरे-पीरे पात।।"

उक्त पंक्तियों में अलंकार है -**अतिशयोक्ति**

Key Points

- उक्त पंक्तियों में **घटनाओं को असाधारण** और **बढ़ा-चढ़ाकर** प्रस्तुत किया गया है।
- जिसमें **हिरन के मुंह में घास** लेने से **मोर नाचना बंद** कर देता है और **आँसू गिरने** से **लताएं जल** जाती हैं,
- **पत्ते पीले** हो जाते हैं। यह सब वास्तविकता से परे होने के कारण, यहाँ '**अतिशयोक्ति अलंकार**' का प्रयोग किया गया है।

Important Points

अतिशयोक्ति:-

- जब किसी**वस्तु, व्यक्ति**आदि का वर्णन बहुत**बाधा चढ़ा**कर किया जाए तब वहां**अतिशयोक्ति अलंकार**होता है।
- इस अलंकार में**नामुमकिन तथ्य**बोले जाते हैं।
- **उदाहरण-**
  - हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग।
  - लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग।।
- (स्पष्टीकरण –**पूँछ में आग लगने** से पहले **लंका का जलना** अतिशयोक्ति है।)

Additional Information

भ्रान्तिमान:-

- जब**कोई वस्तु**को देखकर हम उसे उसके**समान गुणों**या**विशेषताओं**वाले किसी**अन्य पदार्थ (उपमान)**के रूप में मान लेते हैं तो वहाँ**भ्रांतिमान अलंकार**माना जाता है।

उदाहरण -

- जानि स्याम को स्याम-घन नाचि उठे वन मोर।
- (ऊपर दिए गए वाक्य में**मोर श्री कृष्ण**को सदृश्य के कारण**श्याम मेघ**(काले बादल) समझ रहे हैं
- तथा**श्याम**के**काले रंग**के कारण मोरो को**काले बादलो**का भ्रम हो गया है।)

यमक:-

- जब**एक ही शब्द ज्यादा बार**प्रयोग हो, पर हर बार**अर्थ अलग-अलग**आये, वहाँ पर**यमक अलंकार**होता है।

उदाहरण-

- काली**घटा**का घमंड**घटा**।
- (**'घटा'**शब्द**दो बार**आया है और दोनों बार इसका अर्थ अलग-अलग है, पहली बार**'घटा'**शब्द का अर्थ**'काले बादलों'**से है,दूसरी बार**'घटा'**शब्द का अर्थ**'कमी होना'**या**'हास'**से जुड़ा है।)

श्लेष:-

- श्लेष का अर्थ है**चिपकाना**,
- जहां शब्द तो**एक बार**प्रयुक्त किया जाए पर उसके**एक से अधिक अर्थ**निकले वहाँ**श्लेष अलंकार**होता है।

उदाहरण-

- सुबरन को ढूँढत फिरत कवि,व्यभिचारी, चोर।
- (इस दोहे में**सुबरन**शब्द के**तीन**अर्थ है। कवि 'सुबरन' अर्थात्**अच्छे शब्द**,**व्यभिचारी**'सुबरन' अर्थात्**अच्छा रूप-रंग**और**चोर**भी 'सुबरन' अर्थात्**स्वर्ण**ढूंढ रहा है।)

Question 31

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I :भरत मुनि ने 'नाट्यशास्त्र' में कुल आठ रसों का वर्णन किया है।

कथन II : रस के चार प्रमुख अवयव माने गए हैं - स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी अथवा संचारी भाव।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

Options:

A. कथन I और II दोनों सत्य हैं

B. कथन I और II दोनों असत्य हैं

C. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

D. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

Answer: A

Solution:

सही उत्तर है -**कथन I और II दोनों सत्य हैं**

Key Points

- भरत मुनि ने '**नाट्यशास्त्र**' में कुल **आठ रसों** का वर्णन किया है, जो हैं: श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स और अद्भुत।
  - इसके अतिरिक्त, **शांतरस नौवां रस** माना जाता है, जो बाद में जोड़ा गया।
- रस के **चार** प्रमुख अवयव (संपर्क घटक) - स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, एवं व्यभिचारी अथवा संचारी भाव - भी सही हैं।

Important Points

- भरतमुनि रचित नाट्यशास्त्र में**श्रृंगार, हास्य करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स तथा अद्भुत**ये**आठ रस**स्वीकार किए गए हैं।
- भरतमुनि के नाट्य शास्त्र में मूल रूप से'**शांत' रस**'का उल्लेख नहीं था।
- शांत रस के शामिल होने के बाद**रस कीसंख्या नौ**हो जाती है।
- ये**नौ रस**हैं: श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भय, बीभत्स, अद्भुत और शांत।
- रस से संबंधितभरतमुनि द्वारा लिखा गया ग्रंथ हीनाट्यशास्त्र है।
- नाट्यशास्त्र में**36 अध्याय**है।
- नाट्यशास्त्र को**पंचम वेद**की उपाधि दी गई है।

Additional Information

रस-काव्य को**पढ़ने, सुनने**से उत्पन्न होने वाले**आनंद की अनुभूति**को साहित्य के अंतर्गत**रस**कहा जाता है।		
क्र. म	**रस**	**स्थायी भाव**
1.	श्रृंगार रस	रति
2.	हास्य रस	हास
3.	करुण रस	शोक
4.	रौद्र रस	क्रोध

5.	वीर रस	उत्साह
6.	भयानक रस	भय
7.	वीभत्स रस	जुगुप्सा
8.	अद्भुत रस	विस्मय
9.	शांत रस	निर्वेद

Question 32

निम्नलिखित में से कौन-सा विपरीतार्थक शब्द युग्म सही नहीं है ?

Options:

A. तामसिक - सात्त्विक

B. चिरंतन-नश्वर

C. गुण-सद्गुण

D. कृतज्ञ - कृतघ्न

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**गुण-सद्गुण**

Key Points

- **'गुण'**शब्दका**विलोम**शब्द**'अवगुण'**होगा।
- **'गुण'**का अर्थ-ऐसा कार्य जिसे पूरा करने के लिए विशिष्ट गुण या योग्यता अपेक्षित हो।
- **'अवगुण'**का अर्थ-निंदनीय या दंडनीय होने का गुण; दोष; दोषी होना।
- **विलोम**-जो शब्द किसी एक शब्द के**विपरीत अर्थ**को व्यक्त करतेहैं,वे**विलोम**शब्द कहलातेहैं।

अन्य विकल्प-

शब्द	विलोम
दुर्गुण	सद्गुण
तामसिक	सात्त्विक
चिरंतन	नश्वर
कृतज्ञ	कृतघ्न

Additional Information

कुछ अन्यमहत्वपूर्ण विलोम शब्द -

शब्द	विलोम
अल्पायु	दीर्घायु
इज्जत	बेइज़्ज़त
उत्पत्ति	विनाश
एकांगी	सर्वांगीण
कपट	निष्कपट
खटाई	मिठाई
गहरा	उथला
संन्यासी	गृहस्थ

Question 33

निम्नलिखित संज्ञाओं में से पुल्लिंग की पहचान कीजिए:

(A) घटा

(B) काँच

(C) नृत्य

(D) कक्षा

(E) दीपक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. केवल (A), (B), (C) और (E)

B. केवल (B), (C) और (D)

C. केवल (B), (C), (D) और (E)

D. केवल (B), (C) और (E)

Answer: D

Solution:

सही उत्तर है -**केवल (B), (C) और (E)**

Key Points

- **संज्ञाओं में से पुल्लिंग की पहचान** -
  - काँच(**जैसे** -वहाँ तुम्हारे लिए**काँच**के गिलास में शरबत रखा है।)
  - नृत्य (**जैसे** -मैं **नृत्य** करना पसंद करता हूँ।)
  - दीपक (**जैसे** -दीपावली पर लोग **दीपक** जलाते हैं।)

अन्य विकल्प-

- **घटा**एक"**स्त्रीलिंग**"शब्द है।
  - **जैसे** -आकाश में काली **घटाएँ** छा गई हैं।
- **कक्षा** एक "**स्त्रीलिंग**" शब्द है।
  - **जैसे** -आज मेरी **कक्षा** जल्दी खत्म हो गई।

Important Points

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
कोशिश, तलाश, दुनिया, बला, तहसील, तस्वीर, जागीर, तालीम, सलाह, सुलह, महासभा, मर्यादा, शिक्षा, दिल्ली, संविदा, घोषणा, शताब्दी, मृत्यु, आयु, कौमुदी, प्रार्थना, वेदना, आजीविका, संहिता, नियुक्ति, सूचना, दीपक, क्षेत्र, आशाआदि।	शशि, महोदय, जीरा, हीरा, पजामा, नमक, पनीर, द्विज, शिष्टाचार, कपड़ा, पेड़, शेर, दिन, सागर, राजन, तेजस्वी, दाँत, शीशम, दही, हलुआ, भोग, मंत्री, धावक, आदेश, मातृत्व, प्लेट, सौभाग्य, काव्य, चंद्र, क्षण, देश, आचार्य, नेत्र, मार्ग, खेल आदि।

Additional Information

लिंग**दो**प्रकार के होते हैं-

1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग

स्त्रीलिंग -

collegebatch.com

- शब्द के जिस रूप से**व्यक्ति**या**वस्तु कीस्त्री जाति**का बोध होता है, उसे**स्त्रीलिंग**कहते हैं।
  - **जैसे** -छात्रा, चाची, बुढ़िया, नौकरानी, घास, खिड़की आदि।

पुल्लिंग -

- शब्द के जिस रूप से**पुरुष जाति**का बोध होता है, उसे**पुल्लिंग**कहते हैं।
  - **जैसे**-छात्र, चाचा, बूढ़ा, नौकर, शेर, बंदर, ताला आदि।

Question 34

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I शब्द		सूची- II पर्यायवाची	
(A)	अनल	(I)	वायु
(B)	अनिल	(II)	अग्नि
(C)	वसुधा	(III)	पृथ्वी
(D)	दिनकर	(IV)	प्रभाकर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (A) - (IV), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (I)

B. (A) - (II), (B) - (I), (C) - (III), (D) - (IV)

C. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (III)

D. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)

Answer: B

Solution:

सही उत्तर है -**(A) - (II), (B) - (I), (C) - (III), (D) - (IV)**

Key Points

सूची-I को सूची-II से सुमेलित-

सूची- I शब्द		सूची- II पर्यायवाची	
(A)	अनल	(II)	अग्नि
(B)	अनिल	(I)	वायु
(C)	वसुधा	(III)	पृथ्वी
(D)	दिनकर	(IV)	प्रभाकर

Important Points

- **पर्यायवाची** -ऐसेशब्दजिनके**अर्थसमान**हों,**पर्यायवाचीशब्द**कहलाते हैं।

शब्द	अन्य पर्यायवाचीशब्द
अनल	आग, दहन, ज्वलन, पावक, धूमकेतु, हुताशन, वैश्वानर, शुचि, ज्वाला।
अनिल	पवन,वायु,समीर, वात,मरुत्,पवमान,बयार,प्रकंपन।
वसुधा	धरित्री, क्षिति, उर्वी, भूमि, धरती, भू, धरणी, अचला, धरा।
दिनकर	सूरज, सूर्य, भानु, भास्कर, दिवाकर, रवि, दिवेश, दिनेश।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णपर्यायवाचीशब्द-

शब्द	पर्यायवाचीशब्द
जंगल	वन, कानन, बीहड़, विटप, विपिन।
आँख	नेत्र, दृग, नयन, लोचन, चक्षु, अक्षि, दृष्टि, विलोचन।
कमल	जलज, पंकज, सरोज, राजीव, अरविन्द, नीरज।
राजा	नृप, नृपति, भूपति, नरपति, भूप, महीप, महीपति।
नदी	सरिता, तटिनी, तरंगिणी, निर्झरिणी, आपगा, कूलंकषा।
पक्षी	विहंग, विहग, खग, पखेरू, परिंदा, चिड़िया, शकुंत।
गंगा	सुरसरि, त्रिपथगा, देवनदी, जाह्नवी, भागीरथी।

Question 35

निम्नलिखित शब्दों में से कौन-से 'कमल' के पर्यायवाचीनहींहैं ?

(A) अंबुज

(B) नलिन

(C) अरविंद

(D) सुमन

(E) मुकुल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. केवल (C), (D) और (E)

B. केवल (D) और (E)

C. केवल (A), (B), (D) और (E)

D. केवल (A) और (B)

Answer: B

Solution:

सही उत्तर है -**केवल (D) और (E)**

Key Points

- **'कमल'**कापर्यायवाचीशब्द -**'अंबुज,नलिन,अरविंद'**होगा।
- **'कमल'**के अन्यपर्यायवाचीशब्द - सरोज, जलज, अब्ज, पंकज,पद्म, कंज, शतदल, सरसिज, तामरसआदि।
- **पर्यायवाची** -ऐसेशब्दजिनके**अर्थसमान**हों,**पर्यायवाचीशब्द**कहलाते हैं।

अन्यविकल्प-

शब्द	पर्यायवाचीशब्द
फूल	पुष्प, कुसुम, **सुमन**, लतांत, प्रसून।
कली	कलिका, **मुकुल,** गुंचा, नवपल्लव, कोंपल, कोरक

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णपर्यायवाचीशब्द-

शब्द	पर्यायवाचीशब्द
घर	गृह, सदन, आवास, आलय, गेह, निवास, निलय, मंदिर।
अश्व	घोड़ा,घोटक, हरि, हय, वाजि, सैन्धव, रविपुत्र।
देवता	सुर, अमर, देव, निर्जर, विबुध, त्रिदश, आदित्य, गीर्वाण।
मेघ	घन, जलधर, वारिद, बादल, नीरद, वारिधर, पयोद।
वृक्ष	तरु, द्रुम, पादप, विटप, अगम, पेड़, गाछ।
स्त्री	ललना, नारी, कामिनी, रमणी, महिला, वनिता, कांता।
ईश्वर	प्रभु, परमेश्वर, भगवान, परमात्मा।

Question 36

'जो व्यक्ति अधिक बोलता है' के लिए एक शब्द है :

Options:

A. वैशाखनंदन

B. कौशिक

C. व्याख्याता

D. वाचाल

Answer: D

Solution:

'जो व्यक्ति अधिक बोलता है' के लिए एक शब्द है :**वाचाल**

Key Points

- 'जो व्यक्ति अधिक बोलता है' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा -**वाचाल**
- **वाक्यांशके लिए उपयुक्त शब्द** -अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को प्रयुक्त करना ही**वाक्यांश के लिए एक शब्द**कहलाता है।

अन्य विकल्प -

वाक्यांश	शब्द
वैशाख माह का आनंदित पुत्र	वैशाखनंदन
कोश में रहने वाला	कौशिक
वह जो किसी विषय की व्याख्या करता हो	व्याख्याता

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णवाक्यांश के लिए एक शब्द -

वाक्यांश	शब्द
जिस पुस्तक में आठ अध्याय हो	अष्टाध्यायी
जो कम बोलता हो	मितभाषी
कठिनाई से समझने योग्य	दुर्बोध
दूसरों के दोष को खोजने वाला	छिद्रान्वेषी
जो बहुत समय तक ठहर सके	चिरस्थायी
जो जल से उत्पन्न होता हो	जलज
आकाश को. चूमने वाला	गगनचुंबी

Question 37

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I वाक्यांश		सूची- II एक शब्द	
(A)	जानने की इच्छा	(I)	अनुपम
(B)	जिसकी उपमा न हो	(II)	बहुज्ञ
(C)	जो बहुत जानता है	(III)	जलज
(D)	जल में जन्म लेने वाला	(IV)	जिज्ञासा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (A) - (IV), (B) - (II), (C) - (I), (D) - (III)

B. (A) - (III), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (I)

C. (A) - (IV), (B) - (I), (C) - (II), (D) - (III)

D. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**(A) - (IV), (B) - (I), (C) - (II), (D) - (III)**

Key Points

सूची-I को सूची-II से सुमेलित -

सूची- I वाक्यांश		सूची- II एक शब्द	
(A)	जानने की इच्छा	(IV)	जिज्ञासा
(B)	जिसकी उपमा न हो	(I)	अनुपम
(C)	जो बहुत जानता है	(II)	बहुज्ञ
(D)	जल में जन्म लेने वाला	(III)	जलज

Important Points

- **वाक्यांशके लिए उपयुक्त शब्द -**अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को प्रयुक्त करना ही**वाक्यांश के लिए एक शब्द**कहलाता है।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णवाक्यांश के लिए एक शब्द -

वाक्यांश	शब्द
जिसका मन कहीं अन्यत्र लगा हो	अन्यमनस्क
ऊपर की ओर बढ़ती हुई साँस	उर्ध्वश्वास
जिस स्त्री का पति मर चुका हो	विधवा
जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
चिर निद्रा को प्राप्त हुआ	चिरनिद्रित
जो अशिष्ट व्यवहार करता हो	गँवार
दूसरे के पीछे चलने वाला	अनुचर

Question 38

'द्विज' का संबंध किस शब्द से नहीं है ?

Options:

A. पक्षी

B. तक्षक

C. चंद्रमा

D. दाँत

Answer: B

Solution:

'द्विज' का संबंध किस शब्द से**नहीं**है -**तक्षक**

Key Points

- **'तक्षक'** शब्द **'द्विज'** का अनेकार्थी रूप नहीं है,
- जबकि **'द्विज'** के सभीअनेकार्थी शब्द- ब्राह्मण, **दाँत,** अंडज, **पक्षी, चन्द्रमा,** आदि।
- **'तक्षक'** के अनेकार्थी शब्दहैं- नाट्यशाला का व्यवस्थापक, जुलाहा, बढ़ई, सूत्रधार आदि।
- **अनेकार्थी शब्द** -ऐसे शब्द, जिनके**अनेक अर्थ**होते है,**अनेकार्थी शब्द**कहलाते है।

Additional Information

कुछ प्रमुख अनेकार्थी शब्द:-

शब्द	अनेकार्थी शब्द
अरुण	लाल, सूर्य, सूर्य का सारथी, प्रभात का सूर्य।
ईश्वर	परमात्मा, स्वामी, शिव, पारा, पीतल।
गुरू	शिक्षक, श्रेष्ठ, बड़ा, भारी, दो मात्राएँ (छंद में)।
फल	लाभ, मेवा, नतीजा, भाले की नोक।
तम	अँधेरा, कालिख, अज्ञान, क्रोध, राहु, पाप।
सूर	वीर, अन्धा, एक कवि, सूर्य, अर्क, मदार, आचार्य।

Question 39

निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए :

Options:

A. आप लोग भोजन कीजिए।

B. मैंने यह पुस्तक पढ़ी है।

C. गाय की रंग काली है।

D. हिंदी ने फारसी के शब्दों को यथावत ग्रहण न करके उन्हें अपनी प्रकृति के अनुरूप ढाला है।

Answer: C

Solution:

अशुद्ध वाक्यहै-**गाय की रंग काली है।**

Key Points

- **अशुद्ध वाक्य** -गाय **की रंग काली** है।
- दिए गये वाक्य में**लिंगप्रयोग**की त्रुटि है,
- यहाँ**'की रंग काली'**सार्थक शब्द नहींहै और इससे सही अर्थ प्रकट नहींहो रहा।
- अत: सार्थक शब्द**'का रंग काला'**होना चाहिए।
- **शुद्ध वाक्य** -गाय **का रंग काला** है।

Important Points

- **पुल्लिंग** -शब्द के जिस रूप से**पुरुष जाति**का बोध होता है, उसे**पुल्लिंग**कहते हैं।
  - **जैसे**-छात्र, चाचा, बूढ़ा, नौकर, शेर, बंदर, ताला आदि।
- **स्त्रीलिंग** -शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की**स्त्री जाति**का बोध होता है, उसे**स्त्रीलिंग**कहते हैं।
  - **जैसे** -छात्रा, चाची, बुढ़िया, नौकरानी, घास, खिड़की आदि।

Additional Information

लिंगसंबंधी अशुद्धियाँ -

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मुझे बहुत गुस्सा**आती है।**	मुझे बहुत गुस्सा**आता है।**
मैंने उसकी मस्तक पर टीका**लगायी।**	मैंने उसके मस्तक पर टीका**लगाया।**
बालक ने रोटी**खाया।**	बालक ने रोटी**खाई।**
हमारे माता जी बाज़ार**गए हैं।**	हमारी माता जी बाजार**गई हैं।**

उसने अपना पर्स**उठाई।**	उसने अपना पर्स**उठाया।**

Question 40

निम्नलिखित में से देशज शब्द की पहचान कीजिए :

Options:

A. क्षीर

B. अग्नि

C. पुष्प

D. पगड़ी

Answer: D

Solution:

देशज शब्द होगा -**पगड़ी**

Key Points

- **'पगड़ी'**देशज शब्द का उदाहरण है।
- वे शब्द जिनकी उत्पत्ति का**श्रोत ज्ञात न हो**और लेकिन भाषा में उनका**प्रचलन भरपूर**हो,**देशज**शब्दों की श्रेणी में आते हैं,
  - **जैसे -**लोटा, कटोरा, डोंगा, डिबिया, खिचड़ी, खिड़की, पगड़ी, चिड़िया, जूता, तेंदुआ, फुनगी, कलाईआदि।

अन्य विकल्प -

तत्सम	तद्भव
क्षीर	खीर
अग्नि	आग
पुष्प	फूल

Important Points

- **तत्सम -**जिन शब्दों को**संस्कृत**से बिना किसी**परिवर्तन**के ले लिया जाता है, उन्हें**तत्सम**शब्द कहते हैं।
  - **जैसे -**घट,गृह,ग्रन्थि,ज्येष्ठआदि।
- **तद्भव -**जिनशब्दों में**समय**और**परिस्थितियों**के कारण कुछ परिवर्तन होने से जो शब्द बने हैं, उन्हें**तद्भव**कहते हैं।

- **जैसे-**घड़ा,घर,गाँठ,जेठआदि।

Additional Information

विदेशज:-

- जो शब्द**विदेशी भाषा**के हैं, परंतु हिंदी में उन शब्दों का**प्रचलन**हो रहा है,ऐसे शब्द**विदेशजशब्द**कहे जाते हैं।
- विदेशी शब्द**अरबी, फारसी, तुर्की,अंग्रेजी**इत्यादि भाषाओं से लिए गए है।**जैसे**-दीवार,किताब,लगाम, वापिस,नीलाम,शराब, हिम्मतआदि।

Question 41

निम्नलिखित शब्दों में 'शुद्ध' शब्द की पहचान करें :

Options:

A. स्वयंवर

B. स्वयमवर

C. स्वायंवर

D. स्वायम्वर

Answer: A

Solution:

सही उत्तर है -**स्वयंवर**

Key Points

- **शुद्ध शब्द -**'स्वयंवर'
- **'स्वयंवर'**काअर्थ-स्वयं पति को चुन लेना।
- अन्य सभी विकल्पवर्तनी कीदृष्टि से अशुद्ध है।
- **वर्तनी -**भाषा के किसी शब्द को को लिखने में प्रयुक्त वर्णोंकेसही क्रमको**वर्तनी**कहते हैं।

Additional Information

अशुद्ध	शुद्ध
अकांक्षा	आकांक्षा
ग्रहस्थ	गृहस्थ

उलंघन	उल्लंघन
ज्योत्सना	ज्योत्स्ना
प्रतीज्ञा	प्रतिज्ञा
विरहणी	विरहिणी
सन्यास	संन्यास
त्यौहार	त्योहार

Question 42

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I कहानी का नाम		सूची- II रचनाकार	
(A)	ईदगाह	(I)	जयशंकर प्रसाद
(B)	पुरस्कार	(II)	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(C)	तीसरी कसम	(III)	प्रेमचंद
(D)	उसने कहा था	(IV)	फणीश्वर नाथ रेणु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. (A) - (I), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (IV)

B. (A) - (II), (B) - (III), (C) - (I), (D) - (IV)

C. (A) - (III), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (II)

D. (A) - (I), (B) - (IV), (C) - (II), (D) - (III)

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**(A) - (III), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (II)**

Key Points

सूची-I को सूची-II से सुमेलित -

सूची- I कहानी का नाम		सूची- II रचनाकार	
(A)	ईदगाह	(III)	प्रेमचंद
(B)	पुरस्कार	(I)	जयशंकर प्रसाद
(C)	तीसरी कसम	(IV)	फणीश्वर नाथ रेणु
(D)	उसने कहा था	(II)	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

Additional Information

कहानीकार	कहानियाँ
प्रेमचंद(31जुलाई 1880 - 8अक्टूबर 1936)	बड़े घर की बेटी,सौत,सज्जनता का दंड,पंच परमेश्वर,नमक का दारोगा,उपदेश,दो बैलों की कथा,पूस की रात,शतरंज के खिलाड़ी आदि।
जयशंकर प्रसाद(30 जनवरी 1889- 15 नवंबर 1937)	छाया (1912 ई.),प्रतिध्वनि (1926 ई.),आकाशदीप (1929 ई.),आँधी (1931 ई.),इन्द्रजाल (1936 ई.) आदि।
फणीश्वर नाथ रेणु(1921-1977)	ठुमरी (1959),आदिम रात्रि की महक (1967),अगिनखोर (1973),अच्छे आदमी (1986) आदि।
चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'(7 जुलाई 1883 - 11 सितंबर 1922)	सुखमय जीवन (1911),बुद्धू का कांटा (1911),उसने कहा था (1915)आदि।

Question 43

निम्नलिखित कहानियों में से प्रेमचंद की कहानी कौन-सीनहींहै ?

Options:

A. बड़े घर की बेटी

B. नमक का दारोगा

C. ईदगाह

D. पुरस्कार

Answer: D

Solution:

प्रेमचंद की कहानी**नहीं**है -**पुरस्कार**

Key Points

पुरस्कार-

- **रचनाकार** -जयशंकर प्रसाद
- **विधा** -कहानी
- **मुख्यपात्र** -मधुलिका, अरुण।
- **विषय** -इस प्रकार, कहानी प्रेम और कर्तव्य के बीच द्वंद्व को दर्शाती है।

Important Points

जयंशकर प्रसाद-

- **जन्म**-1889-1937ई.
- हिन्दी कवि, नाटककार, कहानीकार, उपन्यासकार तथा निबन्ध-लेखक थे।
- **कहानी-संग्रह-**
  - छाया (1912 ई.)
  - प्रतिध्वनि (1926ई.)
  - आकाशदीप (1929 ई.)
  - आँधी (1931 ई.)
  - इन्द्रजाल (1936ई.)आदि।

Additional Information

प्रेमचंद-

- **जन्म**-1880 - 1936ई.
- हिन्दीऔरउर्दूके सर्वाधिक लोकप्रियउपन्यासकार,कहानीकारएवं विचारक थे।
- भारतके उपन्यास सम्राट माने जाते हैं।प्रेमचंद का वास्तविक नामधनपत राय श्रीवास्तवथा।
- **कहानी संग्रह-**
  - सप्तसरोज
  - नवनिधि
  - प्रेमपूर्णिमा
  - प्रेम-पचीसी
  - प्रेम-प्रतिमा
  - प्रेम-द्वादशी
  - समरयात्रा
  - मानसरोवर
- **कहानियां** -
  - बड़े घर की बेटी
  - ईदगाह

- सज्जनता का दण्ड
- पंच परमेश्वर
- नमक का दारोग़ा
- उपदेश
- परीक्षा

Question 44

अच्छे पत्र में अधोलिखित गुण होने आवश्यक हैं :

(A) उद्देश्य

(B) दुरुहता

(C) शिष्टाचार

(D) सहजता

(E) अपेक्षित त्रुटि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

Options:

A. केवल (B), (C) और (E)

B. केवल (A), (B) और (E)

C. केवल (A), (C) और (D)

D. केवल (B), (D) और (E)

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**केवल (A), (C) और (D)**

Key Points

- अच्छे पत्र में अधोलिखित गुण होने आवश्यक हैं :
  - **(A)** उद्देश्य
  - **(C)** शिष्टाचार
  - **(D)** सहजता

Additional Information

अच्छे पत्र के गुण-

- **उद्देश्य :**
  - पत्र का उद्देश्य स्पष्ट और सटीक होना चाहिए। पत्र लिखते समय ध्यान रहे कि आप जो संदेश देना चाहते हैं, वह सीधे और सटीक रूप से प्रस्तुत हो।
- **शिष्टाचार :**
  - पत्र की भाषा शालीन और सभ्य होनी चाहिए। शिष्टाचार का पालन करके आप पत्र में अपनी विनम्रता और सम्मान दर्शा सकते हैं।
- **सहजता :**
  - पत्र की भाषा सरल और सहज होनी चाहिए ताकि पाठक आसानी से पत्र को समझ सके। जटिल और कठिन शब्दों से बचें और विचारों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करें।
- **स्पष्टता :**
  - पत्र में संप्रेषित विचार स्पष्ट और संगठित होने चाहिए। अस्पष्ट या भ्रमित करने वाली भाषा से बचें, और सुनिश्चित करें कि आपका संदेश पाठक को अच्छी तरह से समझ में आए।
- **व्यावहारिकता:**
  - पत्र में दिए गए सुझाव या विचार व्यावहारिक और लागू होने योग्य होने चाहिए। पत्र का स्वर और सामग्री ऐसी होनी चाहिए कि वह वास्तविक जीवन में प्रयोज्य हो।
- **संक्षिप्तता :**
  - पत्र में संक्षिप्तता बनाए रखें, अनावश्यक विवरणों से बचें और केवल मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें। इससे पत्र प्रभावी होता है और पाठक का समय बचता है।
- **व्याकरण और शुद्धता:**
  - पत्र में व्याकरण की दृष्टि से कोई त्रुटि नहीं होनी चाहिए। अशुद्ध शब्दों और वाक्यों से बचना चाहिए और वर्तनी व व्याकरण का सही उपयोग करना चाहिए।

Question 45

निम्नलिखित शब्दों में "कर्मठ" का विपरीतार्थक शब्द खोजें:

Options:

A. जुझारू

B. कर्मण्य

C. अकर्मठ

D. अकर्मण्य

Answer: C

Solution:

"कर्मठ" का विपरीतार्थक शब्दहोगा -**अकर्मठ**

Key Points

- **'कर्मठ'**शब्दका**विलोम**शब्द**'अकर्मठ'**होगा।
- **'कर्मठ'**का अर्थ-जो बराबर और अच्छी तरह सब या बहुत काम करता रहता हो।
- **'अकर्मठ'**का अर्थ-मेहनती, उद्यमी, या कार्य में कुशल व्यक्ति।
- **विलोम**-जो शब्द किसी एक शब्द के**विपरीत अर्थ**को व्यक्त करतेहैं,वे**विलोम**शब्द कहलातेहैं।

अन्य विकल्प-

शब्द	विलोम
जुझारू	शांत या निर्धर्ष
कर्मण्य	अकर्मण्य

Additional Information

कुछ अन्यमहत्वपूर्ण विलोम शब्द -

शब्द	विलोम
एकतंत्र	बहुतंत्र
कुटिल	सरल
उदार	कृपण
गुस्ताखी	शराफत
घमंड	विनय
चिंतित	निश्चित
जागृति	सुषुप्ति
तिमिर	प्रकाश

Question 46

प्रत्यय के कितने भेद होते हैं ?

Options:

A. तीन

B. एक

C. दो

D. चार

Answer: C

Solution:

प्रत्यय के भेद होते हैं-**दो**

Key Points

- प्रत्यय **दो** प्रकार के होते हैं:
  - कृत् प्रत्यय,
  - तद्धित प्रत्यय।

Additional Information

कृत प्रत्यय:-

- कृत प्रत्यय वह प्रत्यय जो **क्रिया पद के मूल** रूप के साथ लगकर **एक नए शब्द** का निर्माण करते हैं।
- कृत प्रत्यय से मिलकर जो प्रत्यय बनते हैं, उन्हे **कृदंत प्रत्यय** कहते हैं। यह प्रत्यय **क्रिया** और **धातु** को एक **नया अर्थ** देते हैं।
- उदाहरण के लिए
  - **लुटेरा, बसेरा**–दिए गए शब्द के मूल रूप के अंत में **'एरा'** प्रत्यय लगाया गया है। जिससे क्रिया पद **लूट** और **बस** के मूल रूप में परिवर्तन हो गया है।
  - **तैराक, लड़ाक** –दिए गए शब्द के मूल रूप में अंत में **आक** प्रत्यय लगाया गया है। जिससे क्रिया पद **तैर** और **लड़** के मूल रूप में परिवर्तन हो गया है।
- **कृत प्रत्यय के भेद-** कृत् वाचक, कर्म वाचक, करण वाचक, भाव वाचक, क्रिया वाचक।

तद्धित प्रत्यय-

- वह शब्द जो क्रिया को छोड़कर **संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण** आदि शब्दों में अंत में जोड़े जाते हैं।
- तथा एक **नए शब्द** की रचना करते हैं, उन शब्दांश को **तद्धित प्रत्यय** कहते हैं। तद्धितप्रत्यय **आठ** प्रकार के होते है।
- **उदाहरण -**
  - **मिठास, खट्टास**– इन विशेषणों में **आस** प्रत्यय लगाया गया है।
  - **अपनापन, पागलपन** – इन शब्दों में **पन** प्रत्यय लगाया गया है।
- **तद्धित प्रत्यय के भेद -** कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय, भाववाचक तद्धित प्रत्यय, सम्बन्ध वाचक तद्धित प्रत्यय,
  - गुणवाचक तद्धित प्रत्यय, स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय, ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय, स्त्रीवाचक तद्धित प्रत्यय।

Question 47

'कान काटना' मुहावरे का अर्थ है :

Options:

A. पराजित करना

B. हानि पहुँचाना

C. चुगली करना

D. सबकी बुद्धि भ्रष्ट होना

Answer: A

Solution:

'कान काटना' मुहावरे का अर्थ है :**पराजित करना**

Key Points

- **'कान काटना'**का अर्थ -पराजित करना,**वाक्य प्रयोग -**रामू उम्र में छोटा जरूर है लेकिन चालाकी में बड़े बड़ों के **"कान काटता है"।**
- **मुहावरा -**ऐसे वाक्यांश, जो**सामान्य**अर्थ का बोध न कराकर किसी**विलक्षण**अर्थ को प्रकट करते है, उसे**मुहावरा**कहते है।
- **उदाहरण**के लिए -**'कमर टूटना'**का अर्थ - हिम्मत टूट जाना,**वाक्य प्रयोग -**दुकान में आग लगने से गुप्ता जी की तो**"कमर ही टूट गई"।**

Additional Information

मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
दांत खट्टे करना	पराजित करना	भारतियों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के **"दांत खट्टे कर दिए"।**
चपत पड़ना	हानिअथवानुकसानहोना	निवेश में गलत निर्णय लेने से उन्हें भारी **"चपत लगी"।**
इधर-उधर की लगाना	चुगली करना।	वह हमेशा **"इधर-उधर की हाँकता**

		रहता हैं", कभी बैठकर पढ़ता नहीं।
अक्ल पर पत्थर पड़ना	किसी की बुद्धि नष्ट हो जाना	नूपुर की **"अक्ल पर पत्थर पड़ने"** के कारण नूपुर ने जीवन में सही निर्णय लेने में भूल कर दी।

Question 48

निम्नलिखित में से 'इंद्र' का पर्यायवाची शब्द चुनें :

Options:

A. देवों के देव

B. भवानीनंदन

C. पुरंदर

D. देवाधिदेव

Answer: C

Solution:

सही उत्तर है -**पुरंदर**

Key Points

- **'इंद्र'**का पर्यायवाचीशब्द-**'पुरंदर'**होगा।
- **'इंद्र'**के अन्यपर्यायवाची शब्द -देवराज, सुरेश, देवेंद्र, पुरंदर, सुरपति, मघवा, वासव, महेंद्र, शचीपति, अमरेश।
- **पर्यायवाची** -जो शब्द**समान अर्थ**के कारण किसी**दूसरे शब्द**की जगह ले लेते हैं, उन्हें**पर्यायवाचीशब्द**कहते हैं।

अन्य विकल्प -

शब्द	पर्यायवाची शब्द
गणेश	विनायक, गणपति, गजानन,**भवानीनंदन,** लंबोदर, वक्रतुंड, विघ्नहर्ता, और एकदंत।

महादेव	भोलेनाथ, महेश्वर,**देवाधिदेव,** गिरिजापति, शंकर, नीलकंठ, गंगाधर, रूद्र, त्रिलोचन, चंद्रशेखर, गिरीश, **देवों के देव**।

Additional Information

कुछ महत्वपूर्णपर्यायवाची शब्द-

शब्द	पर्यायवाची शब्द
साँप	सर्प, नाग, विषधर, व्याल, भुजंग, उरग, अहि पन्नग।
अंबर	आकाश, आसमान, गगन, फलक, नभ।
मछली	मीन, मत्स्य, शफरी, मकर, झख, झष, जलीय जीव।
कनक	कंचन, सुवर्ण, हिरण्य, हेम, हाटक, सोना, स्वर्ण।
समुद्र	सागर, उदधि, जलधि, वारिधि, पारावार, सिंधु, नीरनिधि।
पंकज	कमल, राजीव, पद्म, सरोज, नलिन, जलज।
कपड़ा	लिबास, वसन, चीर, चेल, परिधान, पट, पोशाक, वस्त्र।
बादल	मेघ, जलधर, अंबुद, वारिद, पयोद, नीरद, घन।

Question 49

'रामचरितमानस' किसकी रचना है ?

Options:

A. कबीरदास

B. सूरदास

C. तुलसीदास

D. बिहारी

Answer: C

Solution:

'रामचरितमानस' की रचना है -**तुलसीदास**

Key Points

- 'रामचरितमानस' **गोस्वामी तुलसीदास** द्वारा रचित एक **महाकाव्य** है,
- जिसे **अवधी भाषा** में लिखा गया है,यह भगवान राम के जीवन और चरित्र की कहानी को दर्शाता है।
- श्री रामचरितमानस की रचना संवत् **1631** में चैत्र नवमी, दिन मंगलवार को **तुलसीदास जी** के द्वारा की गई थी।

Important Points

गोस्वामी तुलसीदास-

- **जन्म -**1511 - 1623ई.
- हिन्दी साहित्य के महान सन्त कवि थे।
- **मुख्य रचनाएँ-**
  - कृष्ण-गीतावली (1571ई.)
  - रामचरितमानस (1574ई.)
  - पार्वती-मंगल (1582ई.)
  - विनय-पत्रिका (1582ई.)
  - जानकी-मंगल (1582ई.)
  - रामललानहछू (1582ई.)
  - वैराग्यसंदीपनी (1612ई.)
  - रामाज्ञाप्रश्न (1612ई.) आदि।

Additional Information

सूरदास-

- **जन्म -**1478 - 1583 ई. (अनुमानित)
- हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल में कृष्ण भक्ति के भक्त कवियों में अग्रणी है।
- महाकवि सूरदास जी वात्सल्य रस के सम्राट माने जाते हैं।
- **मुख्य रचनाएँ-**
  - सूरसागर
  - सूरसारावली
  - साहित्य-लहरी
  - नल-दमयन्ती
  - ब्याहलो

कबीरदास-

- (15वीं शताब्दी)
- एक भारतीय कवि-संत थे,वे भक्ति आंदोलन के प्रमुख कवियों में से एक थे।
- कबीर की वाणी का संग्रह उनके शिष्य धर्मदास ने बीजक नाम से सन् 1464 में किया।
- इस ग्रंथ में मुख्य रूप से पद्य भाग है। बीजक के **तीन** भाग किए गए हैं-
- **मुख्यरचनाएँ-**
  - रमैनी
  - सबद
  - साखी

बिहारी-

- (1595-1663)
- बिहारी जी हिन्दी रीतिकाल के मुक्त कवि हैं।
- **मुख्यरचनाएँ-**
  - बिहारी सतसई
  - . यह मुक्तक काव्य है. इसमें 713 से 719 दोहे हैं,यह ब्रजभाषा में लिखा गया है।

Question 50

इनमें से कौन शब्दालंकार नहीं है ?

Options:

A. श्लेष

B. यमक

C. अनुप्रास

D. उपमा

Answer: D

Solution:

शब्दालंकार**नहीं**है-**उपमा**

Key Points

अलंकार केभेद-

1. **शब्दालंकार-**ये वर्णगत, वाक्यगत या शब्दगत होते हैं;**जैसे-**अनुप्रास, यमक, श्लेष आदि।
2. **अर्थालंकार-**अर्थालंकार की निर्भरता शब्द पर न होकर शब्द के अर्थ पर आधारित होती है।

- मुख्यतः उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दृष्टांत, मानवीकरण आदि मुख्य अर्थालंकार हैं।

Important Points

उपमा:-

- जब किन्ही**दोवस्तुओं केगुण, आकृति, स्वभाव**आदि में**समानतादिखाई**जाए
- या**दो भिन्न वस्तुओंकितुलना**कि जाए, तब वहां**उपमा अलंकर**होता है।

उदाहरण-

- पीपर पात सरिस मन डोला।

- यहाँ"**पीपर पात**"(पीपल का पत्ता) और"**मन**"की तुलना की गई है।

Additional Information

श्लेष:-

- श्लेष का अर्थ है**चिपकाना**,
- जहां शब्द तो**एक बार**प्रयुक्त किया जाए पर उसके**एक से अधिक अर्थ**निकले वहाँ**श्लेष अलंकार**होता है।

उदाहरण-

- रावण सर सरोज बनचारी। चलि रघुवीर सिलीमुख।
- (यहाँ सिलीमुखशब्द के **दो** अर्थ निकल रहे हैं। इस शब्द का पहला अर्थ**बाण**से एवं दूसरा अर्थ**भ्रमर**से है।)

यमक:-

- जब**एक ही शब्द ज्यादा बार**प्रयोग हो, पर हर बार**अर्थ अलग-अलग**आये वहाँ पर**यमक अलंकार**होता है।

उदाहरण -

- तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है।
- (यहाँ**'बेर'**शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। पहली बार तीन**'बेर'**दिन में तीन बार खाने की तरफ संकेत कर रहा है तथा दूसरी बार तीन'बेर'का मतलब है तीन फल।।)

अनुप्रास:-

- जब किसी**काव्य**को**सुंदर**बनाने के लिए किसी वर्ण की**बार-बार आवृति**हो तो वह**अनुप्रास अलंकार**कहलाता है।

उदाहरण -

- मधुर मृदु मंजुल मुख मुसकान।
- (यहाँ पर**'म'**वर्ण की आवृति हो रही है।)